RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
32.0°C	25.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:47 AM	7:19 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 15 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, गुरुवार 30 जुलाई, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

अतिरिक्त जिला कलक्टर कार्यालय का निजी सहायक एक लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर ग्रामीण टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर (जयपुर पूर्व) कार्यालय के निजी सहायक मुकेश कुमार को 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत का यह मामला सरकारी परीक्षाओं से जुड़ा हुआ है। एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो की जयपुर ग्रामीण चौकी को एक शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया था कि परिवादी की फर्म ने सरकारी परीक्षाओं के लिए वाहन उपलब्ध कराए थे। इन वाहनों के बिल पास कराने और भुगतान जारी करने की एवज में आरोपी निजी सहायक मुकेश कुमार 1,50,000 रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा था। सत्यापन के बाद उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील सिहाग के निर्देशन और पुलिस निरीक्षक देवेंद्र प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में ट्रैप टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी मुकेश कुमार को उसके कार्यालय कक्ष में परिवादी से 1,00,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों धर दबोचा।

मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया, माफी नहीं मांगूंगा, लोकसभा में हंगामे पर राहुल गांधी का तीखा हमला, गृह मंत्री अमित शाह को हटाने की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार शाम को प्रेस कांफ्रेंस में सरकार पर बोलने का अवसर न देने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बोलने के कई मौके दिए गए, लेकिन विपक्ष के नेता होने के बावजूद उन्हें बोलने से रोक दिया गया। उन्होंने अमित शाह को हटाने की मांग की। मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें बोलने का मौका सिर्फ इसलिए नहीं दिया गया क्योंकि उन्होंने दिल्ली में हुई घटना की जिम्मेदारी तय की थी। राहुल गांधी ने कहा-मुझे सदन में बोलने की अनुमति इसलिए नहीं दी गई क्योंकि मैंने स्पष्ट कहा था कि सड़कों पर जो बर्बरता हुई, उसकी पूरी जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह की है। मुझसे कहा गया कि अगर मैं माफी मांगता हूं तो मुझे बोलने दिया जाएगा। लेकिन मैं साफ कर देना चाहता हूँ कि मैं माफी नहीं मांगूंगा।' राहुल गांधी ने दिल्ली की सड़कों पर छात्रों के साथ हुई घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा वह बर्बरता है जो दिल्ली की सड़कों पर हमारे छात्रों के खिलाफ की गई। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विरोध कर रहे छात्रों पर पेलेट गन (Pellet Guns) से गोलियां चलाई गईं और उन्हें निशाना बनाया गया, जो कि बेहद निंदनीय है। राहुल गांधी के आरोपों के बाद संसद के भीतर और बाहर राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया। कांग्रेस ने इसे विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष के नेता को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। पार्टी नेताओं का कहना है कि संसद संवाद और बहस का मंच है, जहां सभी पक्षों को समान रूप से अपनी बात रखने का अधिकार मिलना चाहिए। वहीं, सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि लोकसभा की कार्यवाही निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार संचालित होती है। सरकार की ओर से कहा गया कि सदन में सभी सदस्यों को नियमों के अनुरूप बोलने का अवसर दिया जाता है और कार्यवाही का संचालन पीठासीन

अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता के दौरान छात्रों के आंदोलन को लोकतांत्रिक अधिकार बताते हुए कहा कि युवाओं की चिंताओं को सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किए जाने के आरोप गंभीर हैं और इनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी राजनीतिक विवाद गहरा गया है। विपक्ष ने इस मामले में जवाबदेही तय करने और घटनाक्रम की विस्तृत जांच की मांग की है। वहीं, सरकार की ओर से इस विषय पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच छात्र संगठनों ने भी निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग दोहराई है। आने वाले दिनों में संसद के भीतर इस विषय पर और तीखी चर्चा होने की संभावना है, जबकि विपक्ष सरकार को घेरने की रणनीति पर कायम है और सरकार अपने पक्ष को तथ्यों के आधार पर रखने की बात कह रही है।

राहुल गांधी के बयान पर लोकसभा में हंगामा, दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर विपक्ष ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली में छात्रों के आंदोलन, कथित पुलिस कार्रवाई और देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर बुधवार को लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों के बाद घमासान तेज हो गया। विपक्षी दलों के नेताओं ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्रालय को कटघरे में खड़ा किया और सरकार से जवाब देने की मांग की। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि पूरे मामले को शब्दों के जरिए भटकाने की कोशिश की जा रही है। यदि छात्रों पर पुलिस की ओर से बल प्रयोग हुआ है, तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आदेश किसने दिया। दिल्ली पुलिस राज्य सरकार के अधीन नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के नियंत्रण में काम करती है, इसलिए गृह मंत्री का नाम लेने पर आपत्ति क्यों जताई जा रही है? यदि विपक्ष कोई आरोप लगा रहा है, तो सरकार को सदन में आकर उसका जवाब देना चाहिए। संसद में मंत्रियों के नाम लेकर सवाल पूछना कोई असंसदीय बात नहीं है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे गृह मंत्रालय के नियंत्रण में काम करती है और पुलिस आयुक्त गृह मंत्रालय से निर्देश प्राप्त करते हैं। छात्रों के खिलाफ जो भी कार्रवाई हुई, उसकी जिम्मेदारी गृह मंत्रालय पर है।

सरकार की भारत टैक्सी पहल से 7.97 लाख 'सारथी' जुड़े, दिल्ली-NCR में सबसे अधिक ड्राइवर-पार्टनर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की भारत टैक्सी पहल के तहत देश भर में अब तक 7.97 लाख ड्राइवर-पार्टनर (सारथी) प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं। यह जानकारी सरकार ने बुधवार को संसद में दी। गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि 19 जुलाई तक दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक 2.55 लाख सारथी इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं। इसके अलावा, गुजरात में 1.01 लाख और महाराष्ट्र में 71,095 सारथी पंजीकृत हैं। भारत टैक्सी एक सहकारी मॉडल पर आधारित डिजिटल ऐप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है, जिसका संचालन सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (एसटीसीएल) द्वारा किया जा रहा है। फिलहाल इसकी शुरुआत दिल्ली-एनसीआर, गुजरात और महाराष्ट्र में की गई है। सरकार ने बताया कि अन्य राज्यों और शहरों में भारत टैक्सी सेवा का विस्तार संचालन संबंधी आवश्यकताओं और जरूरी मंजूरियों के आधार पर किया जाएगा। इसका विस्तार परिचालन तैयारियों, सारथियों की उपलब्धता, कानूनी प्रक्रियाओं के पूरा होने तथा संबंधित राज्य सरकारों, सहकारी संस्थाओं और अन्य हितधारकों के साथ समन्वय को ध्यान में रखकर किया जाएगा। अमित शाह ने बताया कि भारत टैक्सी जीरो-कमीशन मॉडल पर काम करती है। यानी प्लेटफॉर्म के जरिए बुक की गई किसी भी सवारी के किराये में से सारथी की कमाई पर कोई कमीशन नहीं काटा जाता। तकनीक, ऐप के रखरखाव और प्लेटफॉर्म के विस्तार का खर्च पूरा करने के लिए सारथियों से अलग से एक मामूली सब्सक्रिप्शन या प्लेटफॉर्म उपयोग शुल्क लिया जाता है। इसका असर सारथी को मिलने वाले किराये पर नहीं पड़ता। सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के सदस्य बनने वाले सारथियों को सहकारी संस्था के उपनियमों और मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज एक्ट, 2002 के तहत मिलने वाले सभी लाभ भी दिए जाते हैं।

उत्तराखंड में भारी बारिश, चार धाम यात्रा रुकी

देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के धौलपुर में तेज बारिश से बाजारों में पानी भर गया। गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के सानंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है। लगातार हो रही भारी बारिश ने देश के कई राज्यों में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और सड़कें बंद होने की घटनाओं ने आवाजाही को कठिन बना दिया है, जबकि मैदानी इलाकों में जलभराव और नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर अस्थायी रोक श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगाई गई है।

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन, रांची में हजारों छात्रों ने निकाली संविधान यात्रा

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, विसंगतियों और लंबित मांगों को लेकर बुधवार को राजधानी रांची में हजारों अभ्यर्थी सड़क पर उतर आए। अभ्यर्थियों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से 'संविधान यात्रा' निकाली और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सरकार ने तुरंत निर्णय नहीं लिया तो स्टेडियम परिसर को दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर स्थायी आंदोलन स्थल बनाते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। शाम करीब चार बजे शुरू हुई संविधान यात्रा में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए। यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए तेज बारिश के कारण मार्च रुका, लेकिन बारिश हल्की पड़ते ही प्रदर्शनकारी फिर एकजुट होकर अल्बर्ट एक्का चौक की ओर बढ़ गए। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। इनमें 'जेपीएससी छात्रों के साथ खिलवाड़ बंद करो', 'उत्पाद सिपाही भर्ती में सेटिंग-गेटिंग बंद करो', 'जेपीएससी सीट का दाम बताओ, हम पैसा जुटा रहे हैं', 'हेमंत सोरेन इस्तीफा दो' और 'जेपीएससी-जेएसएससी पर जवाबदेही तय करो' जैसे नारे लिखे थे। अभ्यर्थियों का कहना था कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लंबित मांगों पर ठोस निर्णय होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है तो जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम को स्थायी आंदोलन स्थल बनाया जाएगा। उनके अनुसार आज से ही सैकड़ों अभ्यर्थी वहां अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे और आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। संविधान यात्रा

के कारण राजधानी के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। कचहरी चौक से अल्बर्ट एक्का चौक तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। इसका असर मेन रोड, रेडियम रोड और लालपुर रोड तक देखा गया, जहां वाहन धीमी गति से चलते रहे। देर शाम तक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी रहा और उनकी आगे की रणनीति पर सभी की नजर बनी हुई है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि उनका आंदोलन किसी एक भर्ती परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया और चयन प्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर है। उनका आरोप है कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, कथित अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही के कारण हजारों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से लंबित नियुक्तियों में तेजी लाने और सभी विवादित मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी दोहराई।

छत्रपति संभाजीनगर : घर लौटे सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके, बोले- इरादे बदले बिना सुधार संभव नहीं

छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार 37 दिनों तक चले लंबे संघर्ष और विरोध-प्रदर्शन के बाद अपने गृह नगर छत्रपति संभाजीनगर लौट आए हैं। घर वापसी पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि इस लंबे संघर्ष के बाद वे आखिरकार शांति से सो सकेंगे और अब वे अपने सामान्य जीवन में लौटने की उम्मीद करते हैं। 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक' (Public Examination - Prevention of Unfair Means Amendment Bill) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिजीत दीपके ने प्रशासनिक प्रक्रिया की कमियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा-देश में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं, लेकिन जब तक लोगों और व्यवस्था के इरादों में सुधार नहीं होगा, तब तक कुछ भी नहीं बदला जा सकता। पेपर लीक मामले की त्वरित सुनवाई के लिए बनी फास्ट-ट्रैक कोर्ट की पहली ही सुनवाई सीबीआई काउंसिल (CBI Counsel) की गैरहाजिरी के कारण स्थगित कर दी गई। अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया कि

छात्रों के हक की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विरोध-प्रदर्शनों के दौरान छात्रों पर दर्ज की गई सभी एफआईआर (FIR) वापस नहीं ली जाती हैं, तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इस बार का आंदोलन पहले से भी ज्यादा बड़ा और उग्र होगा। अभिजीत दीपके ने कहा कि लंबे आंदोलन के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों से आए छात्रों और युवाओं ने जिस एकजुटता का परिचय दिया, उसने इस पूरे अभियान को मजबूती प्रदान की। उनके अनुसार, यह आंदोलन केवल एक परीक्षा या एक भर्ती प्रक्रिया तक सीमित नहीं था, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्ष व्यवस्था की मांग का प्रतीक बन गया। उन्होंने आंदोलन में सहयोग देने वाले छात्रों, सामाजिक संगठनों और समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान दर्ज मामलों को लेकर उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रखने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज प्रकरण वापस लिए जाने चाहिए। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं को अपनी बात रखने का अधिकार है और उनकी आवाज को दमनात्मक कार्रवाई के माध्यम से दबाने के बजाय संवाद के जरिए समाधान तलाशा जाना चाहिए।

दिल्ली लक्ष्मी योजना को मिली मंजूरी, 1 अगस्त से शुरू होंगे पंजीकरण; महिलाओं ने सीएम रेखा गुप्ता का जताया आभार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं दिल्ली सचिवालय पहुंचीं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने इस योजना को आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए राहतकारी कदम बताते हुए सरकार के निर्णय का स्वागत किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि उन्हें महिलाओं के स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद के लिए हृदय से आभार है। दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 अगस्त से शुरू होगी। यह योजना नारी शक्ति के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हर बेटी, हर बहन और हर परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार कार्य करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने भी योजना का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई दी।

राजस्थान में मानसून का कहर: जयपुर में सड़कें जलमग्न, धौलपुर में बाजार डूबे; 22 जिलों में येलो अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में बुधवार को मानसून ने रफ्तार पकड़ ली। राजधानी जयपुर समेत राज्य के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ। जयपुर में दोपहर के समय करीब 35 मिनट तक हुई तेज बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए, जबकि धौलपुर जिले के राजाखेड़ा कस्बे में बाजारों और निचले क्षेत्रों में पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के 22 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि 2 अगस्त तक सक्रिय मानसून बना रहेगा। विभाग के अनुसार 30 और 31 जुलाई को उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। जयपुर में तेज बारिश के चलते टोंक रोड, रामबाग, परकोटा क्षेत्र (चारदीवारी), अजमेरी गेट, 22 गोदाम और सी-स्कीम समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। जगतपुरा रोड पर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।रिश थमने का इंतजार किया।

संपादकीय

चूरू में 15 शिक्षाकर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ, जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किए आदेश

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चूरू। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा चूरू ने वित्त विभाग के प्रावधानों एवं राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम-2017 के तहत 15 शिक्षाकर्मियों और कर्मचारियों को आश्वासित कैरियर प्रगति (एसीपी) तथा संशोधित आश्वासित कैरियर प्रगति (एमएसीपी) के अंतर्गत वित्तीय उन्नयन का लाभ स्वीकृत किया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सज्जन सिंह सैनी ने आदेश जारी किए हैं। विशेष रूप से शारीरिक शिक्षा शिक्षक सज्जन कुमार को माननीय न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में एसीपी लाभ स्वीकृत किया गया है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि देय तिथि से 30 जून 2013 तक की अवधि का नगद लाभ देय नहीं होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारत के बॉक्सिंग पर्यवेक्षक होंगे डॉ. एन. के. निर्वाण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव डॉ. एन. के. निर्वाण को कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारत की ओर से बॉक्सिंग पर्यवेक्षक के रूप में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। डॉ. निर्वाण बुधवार को भारत से कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए रवाना होंगे तथा गुरुवार को आयोजन स्थल पर पहुंचकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन प्रारंभ करेंगे। डॉ. एन. के. निर्वाण इससे पूर्व भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अनेक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में बॉक्सिंग पर्यवेक्षक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2012 में लंदन (इंग्लैंड) में आयोजित ओलंपिक खेलों, 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता-पालीमबांग में आयोजित 18वें एशियाई खेलों तथा 2024 में फ्रांस के पेरिस में आयोजित ओलंपिक खेलों में भी भारत की ओर से बॉक्सिंग पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। डॉ. निर्वाण का अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में वर्षों का अनुभव तथा खेल के प्रति समर्पण उन्हें विश्वस्तरीय तकनीकी अधिकारियों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करता है। राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह सहित समस्त पदाधिकारियों ने डॉ. एन. के. निर्वाण को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

मुख्यमंत्री ने किया रीडिंग प्रमोशन कैंपेन-2026 का शुभारंभ, 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खातों में 250 करोड़ रुपए की डीबीटी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर जिले के पात्र 76 हजार विद्यार्थियों के खातों में 7 करोड़ 64 लाख रुपए की यूनिफॉर्म राशि हुई जमा

बीकानेर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मिशन पढ़ो राजस्थान के अंतर्गत रीडिंग प्रमोशन कैंपेन-2026 एवं निःशुल्क यूनिफॉर्म राशि के डीबीटी का राज्य स्तरीय समारोह बुधवार को भरतपुर के खेड़ली गुर्जर स्थित बालिका सैनिक स्कूल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान रीडिंग प्रमोशन कैंपेन-2026 का पोस्टर विमोचन कर अभियान का शुभारंभ किया गया। साथ ही प्रदेश के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खातों में 250 करोड़ रुपए की निःशुल्क यूनिफॉर्म राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 680 करोड़ रुपए की लागत से विद्यालय भवन, छात्रावास एवं लैब निर्माण कार्यों का शिलान्यास, 11.07 करोड़ रुपए की छात्रावास निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण, विशेष आवश्यकता वाले 10 हजार 500 विद्यार्थियों को व्हीलचेयर वितरण तथा निपुण कैलेंडर का विमोचन भी किया।

बीकानेर जिले में 76 हजार विद्यार्थियों को मिला लाभ

निःशुल्क यूनिफॉर्म राशि डीबीटी कार्यक्रम के अंतर्गत बीकानेर जिले के पात्र 76 हजार विद्यार्थियों के खातों में 7 करोड़ 64 लाख रुपए जमा करवाए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम बीकानेर के रवीन्द्र रंगमंच में आयोजित हुआ, जहां राज्य स्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण किया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री ने बीकानेर के छात्र जगन्नाथ छंगाणी से किया संवाद

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों से संवाद किया। इसी क्रम में उन्होंने बीकानेर के राजकीय मोहता मूलचंद उच्च माध्यमिक विद्यालय के राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी में स्वर्ण पदक विजेता छात्र जगन्नाथ छंगाणी से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने उनसे खेल और पढ़ाई में संतुलन बनाए रखने के अनुभव साझा करने को कहा तथा विद्यार्थियों को

प्रेरित करते हुए कहा कि "इच्छाशक्ति मजबूत हो तो न पढ़ाई में खेल बाधा बनता है और न खेल में पढ़ाई।" उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल एवं शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संदेश दिया। राज्य स्तरीय समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।वहीं जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलेक्टर निशांत जैन, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे, सुमन छाजेड़, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) रामगोपाल शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) के.डी. चारण, संयुक्त निदेशक सुनीता चावला सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मंच संचालन ज्योति प्रकाश रंगा और श्री चण्डी दान किनीया ने किया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मिशन पढ़ो राजस्थान के अंतर्गत संचालित रीडिंग प्रमोशन कैंपेन का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करना, भाषा कौशल को मजबूत करना और प्रारंभिक कक्षाओं से ही सीखने की क्षमता को बेहतर बनाना है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया।

जयपुर-ग्रामीण लोकसभा चुनाव मामले में चुनाव-आयोग का प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट के साल 2024 के चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका में चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी और रिटर्निंग ऑफिसर पार्टी (पक्षकार) बने रहेंगे। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी ने इसे चुनौती देने वाले चुनाव आयोग के प्रार्थना पत्र को मंगलवार को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा- इस मामले में याचिकाकर्ता (कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा) और विजयी प्रत्याशी (बीजेपी प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह) के बीच जीत का अंतर 1615 वोट रहा। रिजल्ट के दिन 4 जून 2024 को

याचिकाकर्ता की आपत्ति को निस्तारित करते हुए रिटर्निंग ऑफिसर ने बताया था कि निरस्त किए गए डाक मत पत्रों की संख्या 1225 है। ऐसे में चुनाव आयोग इस मामले में आवश्यक पक्षकार है, इसलिए इनका प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। चुनाव आयोग की ओर से याचिका में कहा गया था कि पीपल्स रिप्रजेंटेशन एक्ट-1951 के तहत आयोग को पक्षकार नहीं बनाया जा सकता। विवाद दोनों प्रत्याशियों के बीच है। ऐसे में हमें पक्षकार से हटाया जाए। इसका विरोध करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा के अधिवक्ता संजय शर्मा ने कहा- इस मामले में जीत का अंतर कैंसिल वोटों से कम है। जिस तरह का विवाद प्रत्याशियों की बीच है, उसका स्पष्टीकरण इन्हें ही देना है। ऐसे में इनका पक्षकार बने रहना जरूरी है। वहीं परिणाम वाले दिन बताई गई निरस्त डाक मतपत्रों की संख्या और आरटीआई के तहत दी गई जानकारी में बताई निरस्त डाक मतपत्रों की संख्या में अंतर है। इसी मुख्य आधार के तहत यह चुनाव याचिका दायर की गई है।

श्रावण मेले के दौरान रेलसेवाएं ईसरदा स्टेशन पर करेगी ठहराव

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। रेलवे द्वारा श्रावण मेले के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए रेल यात्रियों की सुविधा हेतु 06 रेलसेवाएं ईसरदा स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव दिया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसारः-

गाडी संख्या 12181, जबलपुर-अजमेर रेलसेवा दिनांक 03.08.26, 10.08.26, 17.08.26 व 24.08.26 को ईसरदा स्टेशन पर 10.01 बजे आगमन एवं 10.03 बजे प्रस्थान करेगी।

गाडी संख्या 12182, अजमेर- जबलपुर रेलसेवा दिनांक 03.08.26, 10.08.26, 17.08.26 व 24.08.26 को ईसरदा स्टेशन पर 18.32 बजे आगमन एवं 18.34 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 12316, उदयपुर सिटी-कोलकाता रेलसेवा दिनांक 03.08.26, 10.08.26, 17.08.26 व 24.08.26 को ईसरदा स्टेशन पर 09.49 बजे आगमन एवं 09.51 बजे प्रस्थान करेगी।

सरदारशहर में स्वच्छ भारत अभियान और नौनिहालों के साथ खुलेआम खिलवाड़

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर के वार्ड नं.-2 रामनगर बास में राज्य सरकार के स्वच्छ भारत अभियान की नगरपरिषद द्वारा खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। ध्यान रहे अम्बेडकर मौहल्ला राउप्रावि विद्यालय के पास की नालियां पिछले एक महीने से अधिक समय से टूटी हुई हैं, जिसके कारण विद्यालय के आस-पास कीचड़ फैला हुआ है। कीचड़ के कारण विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों और राहगीरों को रोजाना दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है। विद्यालय के हेडमास्टर तथा मौहल्ले के लोगों द्वारा नगरपरिषद आयुक्त को इस संबंध में पत्रों और ज्ञापनों के माध्यम से बार-बार अवगत करवाया गया है, लेकिन आज तक इस तरह कोई ध्यान नहीं दिया गया है। स्कूल के बिल्कुल पास में मंदिर, सामुदायिक भवन तथा अस्पताल है, जिसके कारण लोगों को दैनिक कार्यों में असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड के निवासी लालचंद सैनी और विकास पारीक ने बताया कि अभी 23 जुलाई को विद्यालय के संस्था प्रधान द्वारा आयुक्त नगरपरिषद को इस संबंध में पुनः पत्र लिखकर कीचड़ से मुक्ति दिलाने का आग्रह किया गया था, लेकिन नगरपरिषद द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। यदि नगरपरिषद द्वारा आगामी 2-3 दिनों में सफाई और नाली निर्माण नहीं करवाया गया, तो मौहल्ले वासियों को आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि टूटी हुई नालियों के कारण लगातार गंदा पानी जमा रहने से पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि कीचड़ और जलभराव के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। कई बार छोटे बच्चे फिसलकर गिर चुके हैं, जिससे अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय, मंदिर, अस्पताल और सामुदायिक भवन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों के आसपास प्राथमिकता के आधार पर नालियों का निर्माण और सफाई कराई जाए।

गुरु पूर्णिमा पर शिक्षकों के सम्मान और त्वरित समाधान पर जोर

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा बीकानेर संभाग की ओर से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जारी संदेश में शिक्षकों को समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार स्तंभ बताते हुए उनके सम्मान, गरिमा और प्रशासनिक कार्यों के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया गया है।

संयुक्त निदेशक सुनीता चावला ने शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है और शिक्षक केवल ज्ञान के प्रदाता ही नहीं, बल्कि संस्कारों के संवाहक तथा उज्ज्वल भविष्य के शिल्पकार भी हैं। अंत में संयुक्त निदेशक ने सभी से गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा और सेवा भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लेने की अपील की और कहा कि शिक्षक सम्मानित होगा तो शिक्षा सशक्त होगी और शिक्षा सशक्त होगी तो राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल होगा।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2025 की चार मॉडल उत्तरकुंजियां जारी, 31 जुलाई तक दर्ज करा सकेंगे आपत्तियां

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2025 के चार विषयों की मॉडल उत्तरकुंजियां जारी कर दी हैं। आयोग के सचिव आशुतोष गुप्ता के अनुसार 12 और 13 जुलाई 2026 को आयोजित परीक्षा के विषय जनरल नॉलेज (ग्रुप-ए), सोशल साइंस, जनरल नॉलेज (ग्रुप-बी) तथा हिंदी की मॉडल उत्तरकुंजियां आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को उत्तरकुंजियों पर आपत्ति है, वे 29 जुलाई से 31 जुलाई 2026 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्नपत्र के क्रमांक के अनुसार ही स्वीकार की जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न पर आपत्ति के लिए 100 शुल्क (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों को SSO पोर्टल पर लॉगिन कर Recruitment Portal में उपलब्ध Question Objection लिंक के माध्यम से आपत्ति दर्ज करनी होगी। शुल्क का भुगतान ई-मित्र कियोस्क या ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के जरिए किया जा सकेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जमा शुल्क वापस नहीं किया जाएगा तथा शुल्क जमा नहीं होने पर आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। आयोग ने यह भी कहा है कि आपत्ति केवल वही अभ्यर्थी दर्ज करा सकेंगे जिन्होंने संबंधित परीक्षा में भाग लिया है। आपत्ति के साथ प्रमाणिक पुस्तकों या स्रोतों के प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उस पर विचार नहीं किया जाएगा। ऑफलाइन या अन्य किसी माध्यम से भेजी गई आपत्तियां स्वीकार नहीं होंगी और प्रत्येक अभ्यर्थी केवल एक बार ही आपत्ति दर्ज कर सकेगा। ऑनलाइन आपत्ति लिंक 31 जुलाई 2026 रात्रि 12 बजे के बाद स्वतः निष्क्रिय हो जाएगा। तकनीकी समस्या आने पर अभ्यर्थी recruitmen-thelpdesk@rajasthan.gov.in पर ई-मेल भेज सकते हैं या हेल्पलाइन नंबर 9352323625 एवं 7340557555 पर संपर्क कर सकते हैं। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे मॉडल उत्तरकुंजी का सावधानीपूर्वक मिलान करने के बाद ही आपत्ति दर्ज करें। किसी भी प्रश्न पर आपत्ति प्रस्तुत करते समय प्रमाणिक और नवीनतम संदर्भ सामग्री का उल्लेख करना आवश्यक होगा, ताकि आयोग विशेषज्ञ समिति के माध्यम से उसका निष्पक्ष परीक्षण कर सके। बिना प्रमाण या अस्पष्ट आधार पर दर्ज आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। आरपीएससी ने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके बाद परीक्षा परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर संत श्री शंकर दास महाराज का सम्मान, गुरु महिमा पर हुआ चिंतन

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर केशव प्रिया गौशाला में संत श्री शंकर दास जी महाराज के सम्मानार्थ भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौशाला समिति के पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर संत श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह में पूर्व प्रधान मधुसूदन राजपुरोहित ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान के स्रोत ही नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है और गुरु के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान हमारी परंपरा की अमूल्य धरोहर है। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण का सुंदर संगम देखने को मिला। इस मोके पर मोजूद रहै पूर्व प्रधान मधुसूदन राजपुरोहित, श्याम लाल शर्मा, लालचन्द मुण्ड डेरी चेयरमैन, मोहनलाल मेघवाल, समुद्र हुड्डा, रामनिवास पारीक, इन्द्रं सिंह शेखावत, राजवीर सिंह राठौड़, खिराज राम सुथार, किशोर दास आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान संत श्री शंकर दास जी महाराज का सम्मान किया गया।

1 अगस्त से जयपुर में ई-रिक्शा QR कोड सिस्टम

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट 1 अगस्त से 'ई-रिक्शा क्यूआर (QR) कोड डिजिटल मैनेजमेंट सिस्टम' लागू करने जा रहा है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर लागू होने वाली इस व्यवस्था के तहत शहर में ई-रिक्शों का जोनवार संचालन होगा और प्रत्येक वाहन को क्यूआर कोड व कलर कोड जारी किया जाएगा। एसीपी (ट्रैफिक) प्रदीप मोहन शर्मा के पर्यवेक्षण और डीसीपी (ट्रैफिक) योगेश गोयल के निर्देशन में यातायात पुलिस यह व्यवस्था लागू करेगी। इसके तहत प्रत्येक जोन में निर्धारित संख्या के अनुसार ही ई-रिक्शा संचालित किए जाएंगे। ई-रिक्शा मालिक और ड्राइवर 1 अगस्त से 31 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट, 'erickshawjaipur' एंड्रॉयड ऐप, ई-मित्र केंद्र अथवा अजमेरी गेट स्थित यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। पंजीकरण के लिए वाहन की आरसी (RC), वैध फिटनेस प्रमाण-पत्र, इंश्योरेंस (बीमा), ड्राइवर का पासपोर्ट साइज फोटो और ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य होंगे। दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन होने के बाद सफल आवेदकों के मोबाइल पर एसएमएस (SMS) भेजा जाएगा। सफल पंजीकरण के बाद चालक को 15 दिनों के भीतर क्यूआर कोड स्टिकर प्राप्त करना होगा। निर्धारित समय में स्टिकर नहीं लेने पर जोन का आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा।

राजस्थान/ प्रादेशिक

जयपुर ADM का PA 1 लाख की रिश्वत लेते ट्रैप

जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर कलेक्ट्रेट परिसर में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने एडीएम ईस्ट के पीए को ट्रैप किया। आरोपी मुकेश कुमार एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि सरकारी लॉजिस्टिक बिल पास कराने की एवज में डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। एसीबी पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है। परिवादी ने शिकायत की थी कि उसके करीब 15 से 16 लाख रुपये के लॉजिस्टिक बिल लंबित हैं और उन्हें पास कराने के बदले रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत का सत्यापन कराया गया तो आरोप सही पाए गए। एडिशनल एसपी (एसीबी) सुनील सिहाग ने बताया, "आरोपी लैपटॉप खरीदने के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहा था। तकनीकी साक्ष्यों और अन्य दस्तावेजों के आधार पर पता लगाया जाएगा कि इस पूरे रिश्वतखोरी के खेल में केवल पीए मुकेश कुमार शामिल था या फिर इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क भी काम कर रहा था। फिलहाल एसीबी की जांच जारी है।" इन सबके बीच, कलेक्ट्रेट में एसीबी एक्शन के बाद महकमे में हड़कंप मच गया है।

अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला ही गुरु है : विमर्शानंद जी महाराज

एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, बीकानेर महानगर इकाई एवं आईएएसई (टी.टी. कॉलेज) के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय आईएएसई (टी. टी. कॉलेज) में मूलचंद वोहरा के मार्गदर्शन में गुरुपूर्णिमा उत्सव गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ।इस अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अखिल भारतीय लोक आयाम प्रमुख डॉ. अन्नाराम शर्मा, डॉ. शिवराज भारतीय, जगदीश रतनू, के.एल. बिश्नोई, के.के. शर्मा, गिरधरदान रतनू, रेणु वर्मा, कैलाश टाक, रीता आहूजा भुवनेश्वरी राजोरिया,किशनलाल , बह्मदेव सैनी, अरशद अली, राधाकिशन हुड्डा, निशा जनागल,कपिल यादव,रवि, जगदीश, जितेंद्र,मोहिनी,देवी, सहित संस्थान के प्राध्यापक, विद्यार्थी, साहित्यकार एवं बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

श्मशान भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर हंगामा, सड़क पर शव रखकर ग्रामीणों का धरना; विधायक मनीष यादव की पहल से हुआ अंतिम संस्कार

एजेंसी, जूम न्यूज़

खेजरोली (शाहपुरा)। नगरपालिका खेजरोली क्षेत्र के बुरोला गांव में बुनकर समाज की श्मशान भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर बुधवार को बड़ा विवाद खड़ा हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने उचित श्मशान भूमि की मांग को लेकर शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था कि श्मशान भूमि पर अतिक्रमण होने के कारण अंतिम संस्कार के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग अपनी मांगों पर अड़े रहे। स्थिति को देखते हुए मौके पर तनाव का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण धरने पर बैठे रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए शाहपुरा विधायक मनीष यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक अधिकारियों से तत्काल समाधान सुनिश्चित करने को कहा। विधायक की मौजूदगी में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई। नायब तहसीलदार महेश कुमार कुमावत की मौजूदगी में ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सहमति बनी। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि अगले 10 दिनों के भीतर संबंधित भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में श्मशान भूमि के रूप में दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया और मृतक का अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। विधायक मनीष यादव ने कहा कि इस प्रकार के मामलो में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्मशान भूमि से जुड़े प्रकरण का शीघ्र समाधान कर ग्रामीणों को स्थायी राहत प्रदान की जाए। घटना के बाद प्रशासन ने संबंधित भूमि की स्थिति और राजस्व अभिलेखों की भी जांच शुरू कर दी है, ताकि भविष्य में इस प्रकार के विवाद की पुनरावृत्ति न हो। अधिकारियों का कहना है कि यदि कहीं अतिक्रमण या रिकॉर्ड संबंधी विसंगतियां सामने आती हैं तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ग्रामीणों को अंतिम संस्कार जैसी आवश्यक सुविधाएं बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द अपने वादे को पूरा करने की मांग की है।

दस राजकीय स्कूलों में वैकल्पिक विषय परिवर्तन को मंजूरी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने जारी किए आदेश

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान बीकानेर ने राज्य के विभिन्न जिलों के 10 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में वैकल्पिक विषय परिवर्तन की स्वीकृति जारी की है। निदेशक सीताराम जाट द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों (मुख्यालय) से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर यह निर्णय लिया गया। आदेश के अनुसार दौसा जिला के नांगल राजावत ब्लॉक स्थित देहलावास विद्यालय में अंग्रेजी साहित्य व ड्राइंग के स्थान पर हिंदी साहित्य तथा राजनीति विज्ञान विषय स्वीकृत किए गए हैं। जोधपुर जिला के शेरगढ़ ब्लॉक के बापूनगर शेरगढ़ विद्यालय में अंग्रेजी साहित्य की जगह हिंदी साहित्य तथा शहीद दमाराम विद्यालय चाबा में समाजशास्त्र के स्थान पर भूगोल विषय संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अजमेर जिला के सावर ब्लॉक स्थित मलियों का नयागांव विद्यालय में संस्कृत साहित्य के स्थान पर भूगोल तथा झालावाड़ जिला के मनोहरथाना ब्लॉक स्थित चांदीपुर बालिका विद्यालय में राजनीति विज्ञान के स्थान पर भूगोल विषय संचालित किया जाएगा। साथ ही यदि संबंधित विषयों के पदों पर कोई कार्मिक कार्यरत है तो उनके समायोजन की कार्रवाई जिला स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी।

जयपुर में युवक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर में एक युवक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक एमपी का रहने वाला था। हमले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें चार युवक हाथों में लाठियां लेकर जाते नजर आए है। इसके बाद पीछे से युवक के सिर पर लाठी मारी। भीड़ ने एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। राजधानी जयपुर के मानसरोवर थाना क्षेत्र में मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद एक व्यक्ति की जान ले बैठा।

गुर्जर की थड़ी स्थित शांति नगर में अंडे गिरने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई। मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए एक मजदूर की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। घटना में उसके दो अन्य साथी भी घायल हुए। तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बलवीर ने मंगलवार देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बैरिकेड लगते ही थमी बसें सड़क पर जाम, मामला थाने पहुंचा

एजेंसी, जूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर कच्चा बस स्टैंड पर एंट्री फीस वसूली को लेकर बुधवार को निजी बस संचालकों और ठेकेदार के बीच विवाद गहरा गया। ठेकेदार की ओर से बस स्टैंड के प्रवेश मार्ग पर बैरिकेड लगाए जाने के बाद कई निजी बसें बीच रास्ते में रुक गईं, जिससे मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। जानकारी के अनुसार निजी बस संचालकों ने एंट्री फीस वसूली का विरोध करते हुए बैरिकेड हटाने की मांग की। इस दौरान बसों का संचालन प्रभावित होने से यात्रियों को भी परेशानी का सामना

करना पड़ा। मौके पर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। बाद में विवाद दोनों पक्षों के साथ पुलिस थाने तक पहुंच गया, जहां मामले को लेकर बातचीत और कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। फिलहाल मामले के समाधान के प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, एंट्री फीस को लेकर बस संचालकों की नाराजगी खुलकर सामने आने से परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हुई। निजी बस संचालकों का कहना है कि एंट्री फीस वसूली को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है और इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी आपत्तियां भी रखी जा चुकी हैं। उनका कहना है कि इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकाले बिना इस प्रकार की स्थिति दोबारा उत्पन्न हो सकती है।

कल्याणकारी बुधवार पर महिला एवं बाल विकास विभाग में लगा विधिक जागरूकता शिविर

एजेंसी, जूम न्यूज़

सरदारशहर। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं श्रीमान सचिव महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू व तालुका विधिक सेवा समिति, सरदारशहर के निर्देशन में बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में 'कल्याणकारी बुधवार' कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन, विशेषकर महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी

योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कैनेपी के माध्यम से आयोजित इस शिविर में करीब 120 लाभार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पीएलवी (पैरा लीगल वॉलंटियर) मंजू बारूपाल ने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रावधानों से भी अवगत कराया। शिविर में स्थायी लोक अदालत की भूमिका और कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को बताया गया कि सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों का त्वरित, सरल एवं कम खर्च में समाधान स्थायी लोक अदालत के माध्यम से किया जा सकता है। शिविर के अंत में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए ऐसी जागरूकता गतिविधियों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही किसी भी प्रकार के कानूनी विवाद की स्थिति में समय रहते उचित मंच पर संपर्क करने की सलाह दी गई।

राजकीय छात्रावासों में गैस्ट फैकल्टी हेतु 31 जुलाई तक करें आवेदन

जयपुर, जूम न्यूज़

जयपुर। कार्यालय संयुक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर द्वारा विद्या संबल योजना के अंतर्गत सत्र 2026-27 के लिए राजकीय बालिका छात्रावास गांधीनगर तथा राजकीय बालक छात्रावास बगरू, आमेर, जगतपुरा ,प्रताप नगर,गोनेर एवं झालाना डूंगरी जयपुर में अध्ययनरत कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए गैस्ट फैकल्टी (अस्थायी) हेतु ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह आवेदन विशेष रूप से गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों के अध्यापन के लिए आमंत्रित किए गए हैं।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र दिनांक 31 जुलाई 2026 तक संबंधित ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य आवश्यक शर्तों की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट https://sjc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

बीकानेर में पाकिस्तानी नेटवर्क को भारतीय सिम उपलब्ध कराने का आरोप, युवक गिरफ्तार

एजेंसी, जूम न्यूज़

बीकानेर। बीकानेर पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी एवं गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े लोगों को भारतीय सिम कार्ड उपलब्ध कराने की आशंका के चलते एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक बज्जू थाना क्षेत्र के गोड़ू गांव निवासी अनिल कुमार बताया गया है। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार अनिल लंबे समय से पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी गिरोह से जुड़े उजर के संपर्क में बताया गया था। आरोप है कि उसने भारतीय मोबाइल सिम को पाकिस्तान में सक्रिय कराने के लिए आवश्यक ओटीपी संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाया, जिसके बाद उस नंबर से पाकिस्तान में व्हाट्सऐप संचालित किया जा रहा था। एटीएस टीम ने 18 जुलाई को अनिल को उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ की। एक दिन की पूछताछ के बाद 19 जुलाई को उसे स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया, जहां बाद में औपचारिक गिरफ्तारी की गई। पुलिस युवक के मोबाइल, सिम कार्ड और सोशल मीडिया गतिविधियों की जांच कर रही है। हथियारों के प्रदर्शन से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच की जा रही है। परिजनों ने बताया कि 18 जुलाई को दो लोग सादे कपड़ों में घर आए और स्वयं को प्रवर्तन निदेशालय (ED) का अधिकारी बताते हुए अनिल से पूछताछ की। परिवार का कहना है कि युवक आठवीं कक्षा तक पढ़ा है और पहले बीकानेर के एक सरकारी अस्पताल परिसर में चाय बेचता था। बाद में वह मुंबई चला गया, जहां लकड़ी के काम से जुड़ गया था।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि मुंबई प्रवास के दौरान उसके संपर्क किन लोगों से बने। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि भारतीय मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग जासूसी, फर्जी पहचान, हनी ट्रैप, साइबर अपराध और सुरक्षा संबंधी जानकारी जुटाने जैसे मामलों में किया जा सकता है। इसी कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में मोबाइल सिम और सोशल मीडिया नेटवर्क की विशेष निगरानी की जा रही है। हाल के वर्षों में सीमापार नेटवर्क, हनी ट्रैप और संदिग्ध सोशल मीडिया संपर्कों से जुड़े कई मामले सामने आ चुके हैं।

RTI में सूचना नहीं देने का आरोप, कलेक्टर से प्रधानाचार्य व सीबीईओ के खिलाफ जांच की मांग:

एजेंसी, जूम न्यूज़

सरदारशहर। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं कराने और वैधानिक दायित्वों के पालन में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए एक आवेदक ने जिला कलेक्टर चूरू को शिकायत भेजकर पीएमश्री श्री गिरधारीलाल शिवनारायण टांटिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरदारशहर के प्रधानाचार्य तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) सरदारशहर के खिलाफ जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि 4 जून को विद्यालय में आरटीआई आवेदन प्रस्तुत

किया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा तक सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। आरोप है कि बाद में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने पत्र जारी कर यह कह दिया कि उनके पास लोक सूचना अधिकारी के अधिकार नहीं हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि ऐसा था तो आरटीआई अधिनियम के अनुसार आवेदन सक्षम लोक सूचना अधिकारी को अग्रेषित किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 6 जुलाई को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रथम अपील करने के बावजूद सूचना उपलब्ध कराने के बजाय अलग-अलग पत्र जारी कर विभिन्न कार्यालयों में आवेदन करने के लिए कहा गया, जिससे अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ा। आवेदक ने कलेक्टर से दोनों अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने, सूचना का अधिकार अधिनियम के उल्लंघन और कर्तव्य में लापरवाही के मामले में नियमानुसार विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई करने तथा मांगी गई सूचना शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने से उन्हें समय पर सूचना प्राप्त नहीं हो सकी।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर उमड़ा श्रद्धा, आस्था व आध्यात्म का सैलाब

एजेंसी, जूम न्यूज़

सरदारशहर। पेंशनर भवन में गुरु पूर्णिमा पर्व, भक्ति एवं श्रद्धापूर्वक मनाया गया। समारोह में गुरुदेव पं तपेश मिश्र का अनेकों शिष्यों ने सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त कर गुरु शिष्य परम्परा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की । कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य पं तपेश मिश्र के सानिध्य में पं विजेंद्र ढंण्ढ, राकेश मिश्रा, राजेश भोजक, विक्रांत, धीरज, शिवरतन सराफ, रवि बांयवाला, नारायण सोनी, सांवरमल शर्मा, गोविन्द सराफ, विकास भादासरिया, धनैसिह पंवार, नारायण सोनी, पप्पू चोधरी ने गुरु पूजन किया । पं तपेश मिश्र ने गुरुमंत्र का वाचन करते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु का महत्व व भूमिका बताते हुए कहा कि गुरु शिष्य का रिश्ता दूनिया में अटूटू है। इसी प्रकार यहां ताल मैदान स्थित लाटा शिक्षा निकेतन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने गुरू शिष्य परम्परा का स्मरण करते हुए सच्चे गुरुओं के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक जगदीश लाटा, स्टाफ सदस्य सरिता सोनी, नेहा सैनी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर सुमित लाटा एडवोकेट, आनंद कुमार, रमाकांत भोजक, उस्मान, दिव्या, वीरेंद्र ने भी उपस्थित रहकर गुरू जनों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मनोरंजन समाचार

रजा मुराद ने शेयर किए पूनम ढिल्लों के साथ यादगार पल, फिल्म 'नूरी' की सफलता को किया याद

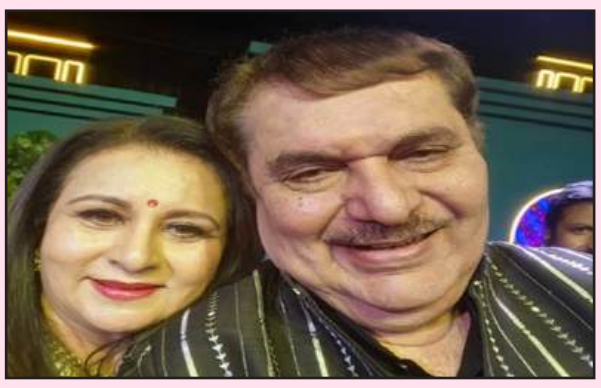

अभिनेता रजा मुराद ने हाल ही में अभिनेत्री पूनम ढ़िल्लो के साथ मुलाकात की। अभिनेता ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री के शुरुआती करियर को याद करते हुए बताया कि फिल्म 'नूरी' ने अभिनेत्री को रातों रात स्टार बना दिया था। अभिनेता रजा मुराद ने पूनम ढिल्लों के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इसमें उन्होंने पूनम ढिल्लों की तारीफ करते हुए कहा कि फिल्म 'नूरी' में कश्मीर की एक मासूम गांव की लड़की के रूप में पूनम की सादगी, खूबसूरती और शानदार अभिनय ने देशभर के दर्शकों का दिल जीत लिया था। उन्होंने लिखा, "हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक पूनम ढिल्लों जी के साथ यादगार पल।" अभिनेता ने पूनम ढ़िल्लो के करियर पर नजर डालते हुए बताया कि फिल्म नूरी के बाद वे रातों रात स्टार स्टार बन गई थीं। उन्होंने लिखा, "साल 1979 में रिलीज हुई फिल्म 'नूरी' के बाद पूनम ढिल्लों पूरे देश की पसंदीदा अभिनेत्री बन गई थीं। इस फिल्म में उन्होंने कश्मीर की एक मासूम गांव की लड़की का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, मासूमियत और प्राकृतिक खूबसूरती ने दर्शकों का दिल जीत लिया और फिल्म की सफलता में अहम भूमिका निभाई।" यह फिल्म नूरी यूसुफ (फारूक शेख) और नूरी (पूनम ढिल्लों) के सच्चे प्यार, सुंदर सपनों और एक दर्दनाक त्रासदी की मार्मिक कहानी को दिखाती है।

आम्रपाली दुबे ने शेयर किया पुराना टीवी शो क्लिप, बोलीं-भोजपुरी में आने से पहले बना चुकी थी अपनी पहचान

टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने पुराने धारावाहिक 'पलकों की छांव में' का क्लिप शेयर किया। इसके जरिए उन्होंने सभी को बताया कि उन्होंने अपनी दम पर टेलीविजन इंडस्ट्री में स्थापित अभिनेत्री के रूप में पहचान बनाने के बाद ही भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखा था। अभिनेत्री ने लिखा, "मेरे ऊपर सिर्फ महादेव का हाथ, मेरे दर्शकों का अटूट प्यार और मेरे गुरुओं का आशीर्वाद है। मैं जो भी हूं, अपने कर्म, मेहनत और काबिलियत की बदौलत हूं। आज तक कभी अपनी उपलब्धियों का हिसाब देने की जरूरत नहीं पड़ी, इसलिए कभी कुछ कहा भी नहीं, लेकिन जब मेरी मेहनत पर सवाल उठाए जाएं, तब सच कहना जरूरी हो जाता है।" अभिनेत्री ने अपनी यात्रा के बारे में गहराई से बताते हुए लिखा, "भोजपुरी सिनेमा में आने से पहले भी मैं टेलीविजन इंडस्ट्री की एक स्थापित कलाकार थी। 16 वर्ष की आयु में जी टीवी के धारावाहिक 'सात फेरे' से अपने अभिनय सफर की शुरुआत मैंने बाकायदा ऑडिशन देकर की थी, जहां 150 से अधिक लड़कियों में से चयन करके निर्धारित हुई कलाकार बनी हूं। इसके बाद मेरे टेलीविजन सफर की शुरुआत हुई और फिर, मैंने टीवी शो 'पलकों की छांव में' में काम किया था, जो बखूबी चला था।" अभिनेत्री ने बताया कि उनका यह शो बिना किसी सिफारिश और सहारे के चला था। उन्होंने लिखा, "मैं उस वक्त भी काम कर रही थी, आज भी कर रही हूं और महादेव की कृपा, गुरुओं के आशीर्वाद और अपने दर्शकों के प्रेम से आगे भी करती रहूंगी। मेरी पहचान किसी के सहारे नहीं बनी मेरे काम ने मुझे पहचान दी और इसीलिए मेरा जवाब भी मेरा काम ही रहेगा हमेशा। हर हर महादेव।" टीवी शो 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' (या पलकों की छांव में) एक लोकप्रिय भारतीय पारिवारिक ड्रामा था। यह सुमन नाम की एक अनाथ लड़की और एक पारंपरिक संयुक्त परिवार की कहानी थी।

खुद को साबित करने की कोशिश नहीं कर रही, अच्छे किरदार मिलना मेरी किस्मत का हिस्सा है : शहनाज गिल

अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपने करियर में एक लंबा सफर तय किया है। कभी अपनी चुलबुली अदाओं और बेफिक्र अंदाज से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही। इन दिनों वह हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म में वह एक गंभीर भूमिका में नजर आ रही है। पर्दे पर निभाए गए किरदारों को लेकर शहनाज ने कहा कि यह सब उनके सफर और किस्मत का हिस्सा है। जब आईएएनएस ने शहनाज गिल से पूछा कि क्या वह दर्शकों को अपने व्यक्तित्व का दूसरा पहलू दिखाने या अपनी पुरानी छवि बदलने के लिए इस तरह के किरदार चुन रही हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि उनका ऐसा कोई मकसद नहीं है। यह फिल्म किताब 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' से प्रेरित बताई जा रही है।

गुरु पूर्णिमा पर करिश्मा तन्ना के घर गूंजी किलकारी, शादी के 4 साल बाद पति वरुण बंगेरा संग किया पहले बच्चे का स्वागत

बॉलीवुड और टीवी जगत की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा तन्ना के घर खुशियों ने दस्तक दी है। पिछले काफी समय से अपनी प्रेग्नेंसी की तस्वीरों और लुक्स को लेकर सुर्खियों में बनी करिश्मा ने अपने पति वरुण बंगेरा के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। करिश्मा ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। यह खुशखबरी और भी खास तब बन गई जब इस नन्हें मेहमान का आगमन गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हुआ। करिश्मा तन्ना ने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट साझा करके ये खुशखबरी फैंस के साथ साझा किया है। करिश्मा तन्ना ने इसी साल अप्रैल महीने में फैंस के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा की थी। इसके बाद से ही पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहीं। उन्होंने पति वरुण बंगेरा के साथ अपने मैटरनिटी फोटोशूट की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं। इसके अलावा पैपराजी के कैमरों में कैद उनके प्रेग्नेंसी फैशन लुक्स को भी फैंस ने खूब पसंद किया। 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन करिश्मा ने बेटे को जन्म दिया। इस खुशखबरी को फैंस के साथ साझा करते हुए करिश्मा और वरुण ने बच्चे के छोटे-छोटे पैरों की एक प्यारी तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, 'गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन पर जन्मा हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद हमारे पास आ गया है। 29 जुलाई 2026, हमारी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, नन्हे राजकुमार। - करिश्मा और वरुण।' करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा द्वारा जैसे ही बेटे के जन्म की घोषणा की गई, सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। मनोरंजन जगत के तमाम दिग्गज कलाकारों और उनके दोस्तों ने इस जोड़े को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं दीं। सोनू सूद, रकुल प्रीत सिंह, खुशी कपूर, जैस्मिन भसीन, वामिका गब्बी, भारती सिंह, अंकिता लोखंडे, अनिता हसनंदानी, ऋचा चड्ढा, नेहा धूपिया, निमरत कौर और राज कुंद्रा जैसे कई सितारों ने करिश्मा के पोस्ट पर प्यारे कमेंट्स किए। टीवी क्वीन एकता कपूर ने मजाकिया अंदाज में बधाई देते हुए लिखा, "मम्मी की गैंग में तुम्हारा स्वागत है," वहीं ऋचा चड्ढा ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कपल को शुभकामनाएं दीं। बता दें, 6 अप्रैल को एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी की जानकारी साझा की। करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा की प्रेम कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात न्यू ईयर इव की एक पार्टी में हुई थी, जहां मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने दोनों को एक-दूसरे से मिलवाया था। करिश्मा इस पार्टी में मनीष के साथ ही गई थीं। पहली मुलाकात में हुई एक सामान्य सी बातचीत जल्द ही एक पक्की दोस्ती में बदल गई और फिर धीरे-धीरे दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ने लगा। करिश्मा ने एक साक्षात्कार में अपनी लव स्टोरी का जिक्र करते हुए बताया था, 'बहुत कम लोग जानते हैं कि हमें मनीष मल्होत्रा ने मिलवाया था। मनीष के साथ पार्टी में जाने के बाद मेरी मुलाकात वरुण से हुई थी। हमने बात करना शुरू किया और जल्द ही दोस्त बन गए।' उन्होंने एक निजी और खूबसूरत समारोह में अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे।

आकांक्षा सिंह बर्थडे स्पेशलः 'ना बोले तुम...' से की शुरुआत, साउथ और बॉलीवुड में भी छोड़ी अपनी छाप

टीवी की दुनिया से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री आकांक्षा सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी शानदार एक्टिंग, सादगी और दमदार किरदारों के दम पर उन्होंने हिंदी टीवी के साथ-साथ साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में भी अपनी अलग जगह बनाई है। 30 जुलाई, 1990 को राजस्थान के जयपुर में जन्मी आकांक्षा सिंह का बचपन कला और रंगमंच से जुड़ा रहा। उनकी मां थिएटर आर्टिस्ट थीं, जिसका असर आकांक्षा की जिंदगी पर भी पड़ा। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने फिजियोथेरेपी की पढ़ाई की, लेकिन उनका झुकाव हमेशा अभिनय की तरफ रहा। उन्होंने थिएटर से अपने सफर की शुरुआत की और धीरे-धीरे मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनानी शुरू की। आकांक्षा सिंह को घर-घर में पहचान मिली साल 2012 में आए टीवी शो 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा' से। इस शो में उन्होंने मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया था। एक विधवा मां के भावनात्मक और मजबूत किरदार को उन्होंने इतनी खूबसूरती से निभाया कि दर्शकों के दिल में अपनी जगह बना ली। इस भूमिका के लिए उन्हें इंडियन टेली अवॉर्ड्स में फ्रेश न्यू फेस फीमेल का सम्मान भी मिला। इसके बाद आकांक्षा ने कई अलग-अलग तरह के किरदारों में खुद को साबित किया। उन्होंने टीवी शो 'गुलमोहर ग्रैंड' में भी काम किया। छोटे पर्दे पर सफलता हासिल करने के बाद उन्होंने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। साल 2017 आकांक्षा सिंह के करियर के लिए खास रहा। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने तेलुगु फिल्म 'मल्ली रावा' से साउथ सिनेमा में भी शुरुआत की। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड्स में बेस्ट फीमेल डेब्यू (तेलुगु) के लिए नामांकन भी मिला। इसके बाद आकांक्षा ने तेलुगु फिल्म 'देवदास' में काम किया, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। वहीं, कन्नड़ फिल्म 'पैलवान' में उन्होंने साउथ के सुपरस्टार किच्चा सुदीप के साथ स्क्रीन शेयर की। साल 2022 में रिलीज हुई अजय देवगन स्टारर फिल्म 'रनवे 34' में आकांक्षा सिंह ने अहम भूमिका निभाई। इस फिल्म के जरिए उन्होंने हिंदी फिल्मों में अपनी मौजूदगी और मजबूत की। इसके अलावा, वह वेब सीरीज की दुनिया में भी सक्रिय रहीं और 'रंगबाजः डर की राजनीति' और 'मीट क्यूट' जैसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं।

आकांक्षा सिंह ने अपने करियर में सिर्फ एक तरह के किरदारों तक खुद को सीमित नहीं रखा। टीवी की भावुक बेटी और मां से लेकर फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाओं तक, उन्होंने हर किरदार को पूरी मेहनत और ईमानदारी से निभाया है। आकांक्षा सिंह की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सहज अभिनय शैली और पर्दे पर स्वाभाविक उपस्थिति मानी जाती है। उन्होंने अपने हर किरदार में भावनाओं की गहराई और सादगी को जिस तरह प्रस्तुत किया है, उससे दर्शकों और समीक्षकों दोनों का विश्वास जीता है। यही कारण है कि उन्होंने मनोरंजन जगत में केवल लोकप्रियता ही नहीं, बल्कि एक सशक्त अभिनेत्री के रूप में अपनी अलग पहचान भी स्थापित की है। टेलीविजन से लेकर सिनेमा और डिजिटल मंच तक उनकी लगातार सक्रियता यह दर्शाती है कि वह अपने अभिनय के दायरे को निरंतर विस्तार देने में विश्वास रखती हैं। अलग-अलग भाषाओं और माध्यमों में काम करते हुए उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी एक उद्योग या मंच तक सीमित नहीं होती। विविध किरदारों को स्वीकार करने की उनकी सोच ने उन्हें बहुमुखी कलाकारों की श्रेणी में शामिल किया है। मनोरंजन जगत के जानकारों का मानना है कि आकांक्षा सिंह ने अपने करियर में व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ अभिनय क्षमता को भी प्राथमिकता दी है। उन्होंने ऐसे किरदारों का चयन किया, जिनमें भावनात्मक गहराई और कहानी के अनुरूप अभिनय की पर्याप्त गुंजाइश हो। यही वजह है कि उनके कई किरदार दर्शकों के बीच लंबे समय तक याद किए जाते हैं। राजस्थान से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली आकांक्षा सिंह आज युवा कलाकारों के लिए भी प्रेरणा बनी हुई हैं।

स्पाइडर मैन फिर लौटाः अल्लू सिनेमाज़ और सोनी पिक्चर्स इंडिया हैदराबाद में करेंगे भारत के पहले शो की मेज़बानी

भारत में स्पाइडर मैन के लिए लोगों की बेमिसाल दीवानगी को सलाम करते हुए, यह ऐतिहासिक साझेदारी भारत का पहला शो हैदराबाद लेकर आ रही है, जहां हर सुपरहीरो फिल्म की रिलीज़ किसी त्योहार से कम नहीं होती।

दुनिया के सबसे चहेते सुपरहीरो स्पाइडर मैन के जश्न को खास बनाने के लिए अल्लू सिनेमाज़ ने सोनी पिक्चर्स इंडिया के साथ मिलकर आगामी स्पाइडर मैन फिल्म का भारत का पहला प्रदर्शन हैदराबाद स्थित अल्लू सिनेमाज़ में आयोजित करने का फैसला किया है।

यह पहल उन भारतीय प्रशंसकों को समर्पित है, जिन्होंने वर्षों से स्पाइडर मैन को सिर्फ एक सुपरहीरो नहीं, बल्कि अपना हीरो बना लिया है। आधी रात के हाउसफुल शो, फैंस का जबरदस्त जश्न और रिकॉर्डतोड़ शुरुआत खासकर तेलुगु दर्शकों ने स्पाइडर मैन को जिस प्यार से अपनाया है, उसने हर फिल्म को एक भव्य सिनेमाई उत्सव बना दिया है। ऐसे में भारत का पहला प्रदर्शन हैदराबाद में आयोजित करना, इस अटूट दीवानगी को सम्मान देने और फ्रेंडली नेबरहुड स्पाइडर मैन के जादू को बड़े पर्दे पर ज़िंदा रखने वाले प्रशंसकों को सलाम करने जैसा है। आयोजकों का कहना है कि पहले प्रदर्शन को केवल फिल्म दिखाने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे प्रशंसकों के लिए एक यादगार उत्सव के रूप में तैयार किया जा रहा है।

'भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती', सीरत कपूर ने बताया दक्षिण भारतीय सिनेमा ने बदली उनकी सोच

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है। जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है। सीरत कपूर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मेरे करियर को एक मजबूत आधार दिया। अलग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।''

अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे काम से मिलने वाला सम्मान लंबे समय तक बना रहता है।'' सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है। हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था।

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। उस सीन के लिए उन्होंने चूड़ियां पहनी थीं, लेकिन शूट पूरा होने के बाद हाथों में सूजन आने की वजह से उन्हें निकालना मुश्किल हो गया था। "मैंने उस सीन के लिए चूड़ियां पहनी थीं और शूट पूरा होने के बाद सूजे हुए हाथों की वजह से हम उन्हें निकाल नहीं पाए। टीम की मदद से जैसे-तैसे चूड़ियां निकाली गईं।"

सार समाचार

रूस ने टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर लगाया आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप

रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने बुधवार को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। एजेंसी का कहना है कि टेलीग्राम ने ऐसे कंटेंट को हटाने में विफलता दिखाई, जिसका इस्तेमाल रूस के भीतर तोड़फोड़, आतंकवादी गतिविधियों और साइबर धोखाधड़ी के संचालन के लिए किया जा रहा था। एफएसबी ने यह भी जानकारी दी कि पावेल डुरोव के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। हालांकि, इस मामले में अब तक न तो डुरोव और न ही टेलीग्राम की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। एफएसबी के अनुसार, आरोप इस बात से जुड़े हैं कि टेलीग्राम ने ऐसे कंटेंट को नहीं हटाया, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर यूक्रेन की विशेष एजेंसियों तथा आतंकवादी और उग्रवादी संगठनों द्वारा रूस के भीतर तोड़फोड़, आतंकवादी हमलों, सामूहिक हत्याओं और साइबर फ्रॉड जैसी गतिविधियों की योजना बनाने और उनके समन्वय के लिए किया गया। साल 2013 में पावेल डुरोव द्वारा लॉन्च किया गया टेलीग्राम आज दुनिया के सबसे बड़े मैसेजिंग प्लेटफॉर्म में शामिल है, जिसके दुनिया भर में 1 अरब से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान सूचना साझा करने में इस प्लेटफॉर्म की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इसका उपयोग दोनों देशों के लोग व्यापक रूप से करते रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई मॉस्को द्वारा टेलीग्राम पर नियंत्रण बढ़ाने की दिशा में उठाया गया ताजा कदम है। रूसी प्रशासन लंबे समय से टेलीग्राम के प्रभाव को सीमित करने की कोशिश करता रहा है और इसके साथ-साथ सरकार समर्थित मैक्स मैसेजिंग सेवा को घरेलू विकल्प के रूप में बढ़ावा दे रहा है।

स्पेन के कास्टेलॉन में फिर धधके जंगल, 10 हजार हेक्टेयर राख

यूरोप में जारी भीषण गर्मी के बीच स्पेन और फ्रांस के जंगलों में लगी आग ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। स्पेन के कास्टेलॉन प्रांत के वैल डी'उइक्सो इलाके में लगी जंगल की आग पर काबू नहीं पाया जा सका है; करीब 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र इसकी चपेट में आ चुका है। वहीं, फ्रांस में भी बढ़ते तापमान को देखते हुए सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है, और प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने संकट की निगरानी के लिए अपनी छुट्टियां रद्द कर दी हैं। स्पेनिश मीडिया के अनुसार, वैल डी'उइक्सो इलाके की आग करीब 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैल चुकी है और लगभग 81 किलोमीटर के इलाके को प्रभावित कर चुकी है। आग के खतरे को देखते हुए करीब 10,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

यूक्रेन के बंदरगाह पर फंसे नाविकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: भारतीय दूतावास

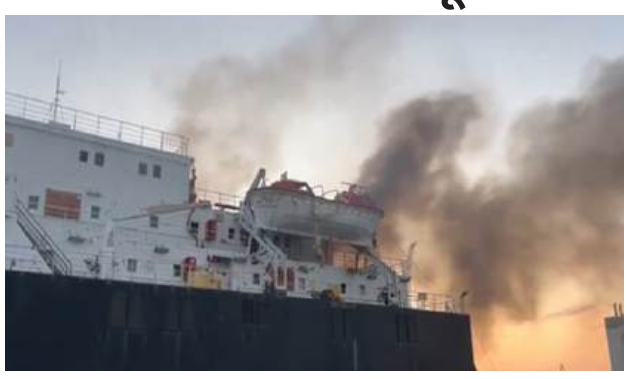

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को कहा कि चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर फंसे मालवाहक जहाज एमवी आमिर1 सवार भारतीय नाविकों की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और इस मामले को "सर्वोच्च प्राथमिकता" दी गई है। दूतावास ने कहा कि भारतीय अधिकारी संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं ताकि सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। 'फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया' (एफएसयूआई) ने इस मामले की ओर ध्यान दिलाया था। यूनियन के अनुसार, चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर फंसे इस मालवाहक जहाज के 15 सदस्यीय चालक दल में से 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। ब्लैक सी (काला सागर) बंदरगाह के आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले हो रहे हैं। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, "एमवी आमिर1 पर भारतीय नाविकों से जुड़ी स्थिति हमारे संज्ञान में लाई गई है। हम इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं और सभी संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं ताकि जहाज पर मौजूद सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।"

एफएसयूआई ने चेतावनी दी कि चालक दल "बेहद भयावह और जानलेवा स्थिति" में फंसा हुआ है। यूनियन का कहना है कि जहाज पर मौजूद लोग इस डर में जी रहे हैं कि किसी भी समय जहाज पर सीधा हमला हो सकता है, क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष बंदरगाह के आसपास तेज बना हुआ है। नाविक संगठन ने भारतीय सरकार और अन्य संबंधित पक्षों से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। इससे ब्लैक सी बंदरगाह पर बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का पता चलता है।

जापान में भूकंप से तबाही: 13 की मौत, 170 से अधिक झटकों के बाद हाई अलर्ट

जापान के क्यूशू में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक 170 से अधिक आफ्टरशॉक (भूकंप के झटके) दर्ज किए गए। इस आपदा में अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई घायल हैं। भूकंप से पुल ढह गए, कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने लोगों को अगले एक सप्ताह तक सतर्क रहने की चेतावनी दी है। जापान के पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनएचके के अनुसार, एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि अगले दो से तीन दिन विशेष रूप से संवेदनशील हैं और इस दौरान जापान की भूकंपीय तीव्रता मापने वाली शिंदो स्केल पर अधिकतम 7 तीव्रता तक के और भूकंप आ सकते हैं। विशेषज्ञों ने राहत एवं बचाव कार्य में जुटे लोगों से भीषण गर्मी के बीच नियमित अंतराल पर आराम करने की अपील की है, ताकि हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

मंगलवार शाम 4:27 बजे कुमामोतो प्रांत में आए इस भूकंप की तीव्रता शिंदो स्केल पर 7 दर्ज की गई, जो इस पैमाने का सर्वोच्च स्तर है। इससे पहले इतनी तीव्रता का भूकंप 1 जनवरी 2024 को नोटो प्रायद्वीप में आया था। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बताया कि अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें कुछ ऐसी मौतें भी शामिल हैं, जिन्हें भूकंप से जुड़ी परिस्थितियों का परिणाम माना जा रहा है।

हालांकि, बुधवार सुबह 9:30 बजे तक कुमामोतो प्रांत के अधिकारियों ने तीन लोगों की मौत, पांच लोगों के कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट (हृदय और श्वसन क्रिया बंद होने की स्थिति) में होने तथा 31 लोगों के घायल होने की पुष्टि की थी। भूकंप के दौरान एईओएन मॉल कुमामोतो की दूसरी मंजिल ढह गई, जिसके बाद पूरी रात बचाव अभियान चलाया गया। बाद में मलबे से 20 वर्ष की आयु की दो महिलाओं के शव बरामद किए गए। एक अन्य व्यक्ति कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट की स्थिति में है, जबकि बचाए गए अन्य लोगों की चोटें गंभीर नहीं हैं। एनएचके के अनुसार, कुमामोतो प्रांत वर्ष 2016 में भी विनाशकारी भूकंपों की श्रृंखला का केंद्र रहा था।

जापान में भूकंप के बाद सोनी का कुमामोटो सेमीकंडक्टर प्लांट हुआ बंद

सोनी सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस ने बुधवार को कहा कि जापान के कुमामोटो क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद उसने कुमामोटो टेक्नोलॉजी सेंटर में परिचालन फिलहाल बंद कर दिया गया है। कंपनी प्लांट और उत्पादन लाइनों को हुए संभावित नुकसान का आकलन कर रही है। सोनी ने बताया कि उसके नागासाकी, ओइता और कागोशिमा टेक्नोलॉजी सेंटरों में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। साथ ही, भूकंप के समय इन केंद्रों पर मौजूद किसी भी कर्मचारी के घायल होने की खबर नहीं है। कंपनी के अनुसार, मंगलवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आए भूकंप के तुरंत बाद किकुयो कस्बे स्थित सोनी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन के प्लांट में उत्पादन रोक दिया गया था। कंपनी ने कहा कि कुमामोटो प्लांट की इमारतों और उत्पादन उपकरणों पर भूकंप के प्रभाव का आकलन जारी है। हालांकि, परिचालन दोबारा कब शुरू होगा, इसकी कोई समय-सीमा नहीं बताई गई है। यह व्यवधान मंगलवार को जापान के कुमामोटो क्षेत्र में आए 7.1 तीव्रता के भूकंप के बाद पैदा हुआ। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के अनुसार, इस भूकंप में 13 लोगों की मौत हो गई। ताकाइची ने पत्रकारों से कहा, "अब भी कई लोग बचाव का इंतजार कर रहे हैं। हम अधिक से अधिक लोगों को बचाने और राहत पहुंचाने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का इस्तेमाल करेंगे।" इस बीच, बचाव दल ढही हुई इमारतों के मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रहे, जबकि अधिकारी भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जापान के कुमामोटो प्रांत में आए भूकंप की खबर से गहरी चिंता हुई।"

रूस से तेल, गैस और अन्य सामान खरीदने पर मिलेगी सजा? अमेरिकी सीनेट ने बिल को पास करने के लिए पहला कदम उठाया

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को 4 साल से ज्यादा समय बीच चुका है। हालांकि, अब तक इस जंग का कोई परिणाम सामने नहीं आया है। इस बीच अब अमेरिका ऐसा कदम उठाने जा रहा है जो कि रूस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। मंगलवार को मंगलवार को अमेरिकी सीनेट ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले बिल को पास करने की दिशा में पहला कदम उठा लिया है। इस मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की भी मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, इस बिल को एक साल से ज्यादा समय तक चली बातचीत के बाद लाया जा रहा है जिसकी मदद से उन देशों को सजा दी जाएगी जो कि रूस से तेल, गैस और अन्य सामान खरीदना जारी रखे हुए हैं। जानकारी के अनुसार, रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले इस बिल पर दोनों पार्टियों के समर्थन से 86-12 के अंतर से प्रक्रियात्मक वोटिंग हुई। ये वोटिंग रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार के कुछ घंटों बाद हुई। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की भी पहुंचे थे। यहां उन्होंने अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात की और उन्हें बताया कि यूक्रेन रूस के साथ युद्ध में बढ़त बना रहा है, लेकिन उसे अभी भी अमेरिका से और मदद की जरूरत है। दरअसल, साउथ कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और कनेक्टिकट के डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने बीते 10 जुलाई को प्रतिबंधों से जुड़े कानून पर एक समझौते का ऐलान किया था। हालांकि, इसके अगले ही दिन लिंडसे ग्राहम की अचानक मौत हो गई। जानकारी सामने आई कि उनकी मौत की वजह 'एओर्टिक टियर' (धमनी फटना) थी। वह हाल ही में यूक्रेन की यात्रा से लौटे थे, जहां उन्होंने जेलेंस्की से मुलाकात की थी। इस बैठक में 60 से ज्यादा सीनेटर मौजूद थे। इस समर्थन के लिए और हमारे सैनिकों के फ्रंट लाइन पर किए गए कामों और रूस के हमलों का सही जवाब देने की यूक्रेन की क्षमता की आपकी तारीफ के लिए धन्यवाद। हमने कई मुद्दों पर बात की, जिनमें सबसे अहम था एंटी-बैलिस्टिक डिफेंस।

चीन की वाई-फाई रणनीति पर अमेरिका सतर्क, यूएस लॉ मेकर्स ने ट्रंप प्रशासन से मांगी विस्तृत योजना

चीन में होने वाले वैश्विक रेडियो सम्मेलन से पहले अमेरिका में चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी लॉ मेकर्स के एक द्विदलीय समूह ने ट्रंप प्रशासन से पूछा है कि वह इस अहम सम्मेलन के लिए क्या रणनीति बना रहा है। लॉ मेकर्स का कहना है कि चीन इस मंच का इस्तेमाल वैश्विक स्पेक्ट्रम नियमों को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर सकता है, जिसका सीधा असर वाई-फाई, 6जी और अन्य नई संचार तकनीकों के भविष्य पर पड़ेगा। कुल 19 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने विदेश विभाग, वाणिज्य विभाग और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) को एक संयुक्त पत्र भेजा है। इस पहल का नेतृत्व प्रतिनिधि एप्रिल मैक्लेन डिलेनी और जे. ओबरनोल्टे ने किया। पत्र में 2027 में शंघाई में होने वाले वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस की तैयारियों पर विस्तृत जानकारी मांगी गई है। लॉ मेकर्स का कहना है कि इस सम्मेलन में लिए जाने वाले फैसले 6जी नेटवर्क, सैटेलाइट सिस्टम और एडवांस वाई-फाई तकनीक के अंतरराष्ट्रीय नियम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए अमेरिका को एकजुट रणनीति के साथ सम्मेलन में जाना चाहिए और अपने सहयोगी देशों के साथ मजबूत तालमेल बनाना चाहिए। यह पत्र आर्थिक मामलों के अवर विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग, नेशनल टेलीकम्युनिकेशंस एंड इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रमुख एरियल रोथ और एफसीसी चेयरमैन ब्रेंडन कैर को भेजा गया है। सांसदों ने प्रशासन से पूछा है कि सम्मेलन की तैयारियां वरिष्ठ स्तर पर किस तरह समन्वित की जा रही हैं। इस पूरे मामले का सबसे अहम मुद्दा 6 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड है।

FBI की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल हुआ अमृतपाल सिंह, कर चुका है अमेरिका-कनाडा तक ड्रग सप्लाई करने की करतूत

अमेरिका की जांच एजेंसी FBI ने भारतीय नागरिक अमृतपाल सिंह को अपनी मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल किया है। FBI के मुताबिक, अमृतपाल सिंह पर अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि वह रविंदर ढांडा ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप का सदस्य है। बता दें कि रविंदर ढांडा ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप, कनाडा के वैंकूवर से संचालित होता है और अमेरिका, कनाडा व मैक्सिको में ड्रग्स सप्लाई करता था। अमृतपाल सिंह पर कोकीन और मेथामफेटामाइन की तस्करी की साजिश में शामिल होने का आरोप है। जान लें कि 23 जून 2026 को लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत ने उसके खिलाफ फेडरल अरेस्ट वारंट जारी किया था। FBI के अनुसार, उसकी जन्मतिथि 7 जनवरी 1996 है और वह भारतीय नागरिक है। एजेंसी ने उसकी पहचान के लिए 2024 की तस्वीर भी जारी की है। FBI ने लोगों से अमृतपाल सिंह के बारे में कोई भी जानकारी मिलने पर तुरंत सूचना देने की अपील की है। मामले की जांच फिलहाल FBI का लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस कर रहा है। इससे पहले FBI ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग के गैंगस्टर नीतीश कौशल को Most Wanted List में शामिल किया था। नीतीश कौशल पर अमेरिका में International Organized Crime Syndicate का एक्टिव सदस्य होने का आरोप है। FBI के मुताबिक, गैंगस्टर नीतीश कौशल सिंडिकेट मर्डर, किडनैपिंग, ड्रग सप्लायर, रंगदारी, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और ह्यूमन ट्रैफिकिंग जैसी वारदातों में शामिल रहा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, पंजाब से जग्गू भगवानपुरिया गैंग के ऑर्गेनाइज्ड क्राइम ग्रुप की शुरुआत से हुई। बाद में अमेरिका के कैलिफोर्निया समेत कई देशों तक इसका नेटवर्क फैल गया। आरोप है कि नीतीश कौशल ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग के लिए किडनैपिंग, अटैक और अन्य हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया है। इसी साल 25 जून को अमेरिका के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की कोर्ट ने नीतीश कौशल के खिलाफ असेस्ट वारंट जारी किया था। एफबीआई की ओर से अमृतपाल सिंह को मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान को नई गति मिलने की संभावना जताई जा रही है। जांच एजेंसी का कहना है कि इस मामले में विभिन्न देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आरोपी की गतिविधियों और संभावित ठिकानों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि आरोपी के संबंध में कोई विश्वसनीय जानकारी हो तो उसे संबंधित एजेंसियों तक पहुंचाएं।

'जिसने भी हमारे फ्रीज फंड से मुआवजा लिया, होर्मुज से नहीं निकलने देंगे उसका जहाज', ईरान ने दी चेतावनी

Middle East में जारी जंग के बीच, ईरान की फ्रीज प्रॉपर्टी को लेकर माहौल और गरमा गया है। दरअसल, ईरान ने चेतावनी दी है कि वह उन देशों और कंपनियों के कमर्शियल जहाजों को होर्मुज से गुजरने से रोकेगा जो मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष में हुए अपने नुकसान की भरपाई के लिए ईरान की फ्रीज हो चुकी संपत्ति का प्रयोग करेंगे।

ईरान के खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता के स्टेटमेंट और ईरानी सरकारी मीडिया IRIB की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका की कड़ी आलोचना की है क्योंकि वह ईरान से युद्ध के दौरान निशाना बनाए गए जहाजों के नुकसान की भरपाई के लिए ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति का इस्तेमाल करना चाहता है। ईरान की फ्रीज संपत्तियों के प्रयोग पर अमेरिकी योजनाओं पर बात करते हुए खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि जंग के दौरान क्षतिग्रस्त हुए जहाजों के लिए मुआवजा ईरान के फ्रीज किए गए फंड से लेने की प्लानिंग है। अमेरिकी सेना की तरफ से असुरक्षा पैदा करने और होर्मुज के दक्षिण में गैर-कानूनी और असुरक्षित रास्ते के उल्लंघन के चलते ईरान पर थोपे गए युद्ध के दौरान जिन जहाजों को नुकसान हुआ, उनकी भरपाई ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति से की जाएगी।

"अगर कोई देश या कंपनी ऐसी प्लानिंग पर अमल करती है, तो ईरान की सेनाएं उनके जहाजों को होर्मुज से गुजरने से रोक देंगीः खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता" अराघची ने X पोस्ट में लिखा, "भविष्य के ऐसे दावों के लिए किसी देश की संपत्ति फ्रीज करना एक तरह का उकसाना है।"

अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में अमेरिकी बलों पर ईरान के 'अचानक हमले' को किया नाकाम

अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान से दागी गईं कई बैलिस्टिक मिसाइलों को बीच में ही रोक दिया।

सेना ने इसे मध्य पूर्व में अमेरिकी बलों पर "अचानक हमले" की कोशिश बताया।

यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक्स पर लिखा, "आज शाम 5:45 बजे (ईटी) इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सेनाओं ने ईरान से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

यह मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिका सेना पर अचानक हमला करने की कोशिश थी।"

उन्होंने कहा, "ईरान की सभी मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोक दिया गया।

साथ ही अमेरिकी सेना सतर्क है और पूरी तरह तैयार है।"

सीएनएन ने एक अमेरिका अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने ज्यादा से ज्यादा चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

अमेरिका के इन दावों पर तेहरान की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मंगलवार को इससे पहले, सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे 18 कमर्शियल जहाजों का रास्ता बदल दिया, दो को निष्क्रिय कर दिया और दो अन्य पर कब्जा कर लिया, ताकि ईरान के सभी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी को लागू किया जा सके।

सेंटकॉम ने एक अलग पोस्ट में यह भी कहा, "मध्य पूर्व में सैन्य अभियानों के समर्थन में 20 से अधिक अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत काम कर रहे हैं, जिनमें ईरान के खिलाफ अमेरिका की 'स्टील वॉल' नाकेबंदी को सख्ती से लागू करना भी शामिल है।

SPORTS NEWS

Pakistan set unwanted record after Jayden Seales claims five-wicket haul in West Indies' win

West Indies battered Pakistan to register a 90-run win in the first Test in Trinidad, taking a 1-0 lead in the two-match series. Notably, the visitors were chasing a modest total of 211 runs in the fourth innings, but they were bundled for only 120 runs in a little over 40 overs. Jayden Seales once again starred with the ball, claiming a five-wicket haul, while Justin Greaves and Kemar Roach picked up two each. Pakistan resumed the fourth day already facing a demanding chase after West Indies had strengthened their position through valuable lower-order contributions. Shamar Joseph and Roach, who had already frustrated the visitors with a resilient eighth-wicket stand, continued to add crucial runs before Mohammad Abbas eventually wrapped up the innings to finish with five wickets. Although Pakistan managed to prevent the target from growing further, the early advantage quickly disappeared once their innings began.

Justin Langer as England Test coach? Former Australia batter shares update on speculations

Justin Langer has indicated that he has not been approached by the England and Wales Cricket Board (ECB) regarding the vacant England Test head coach position. After Brendon McCullum stepped down from the position, Langer and Andy Flower were heavily linked with the role. Since then, Flower has already ruled himself out, while Langer clarified the current situation. The former Australia opener said he had received no communication from the ECB, suggesting he is not currently part of the recruitment process being led by England men's managing director Rob Key. "No, I haven't, no. No, I haven't heard from anyone. You read all this [speculation]... It's all paper talk, it's all rumours," Langer said on an episode of the Stick to Cricket podcast. Notably, Langer has frequently been mentioned as a possible successor, partly because of his previous relationship with ECB chief executive Richard Gould from their time together at Somerset, where they served as captain and chief executive respectively. However, the latest comments indicate that no formal discussions have taken place. Several other names remain in contention for the position.

Arundhati, Sachin Siwach enter semifinals to confirm more boxing medals for India at Commonwealth

Boxers Arundhati Choudhary and Sachin Siwach confirmed two more medals for India at the Commonwealth Games 2026 as they made their way into the semifinals of their respective weight categories on Wednesday, July 29. Arundhati and Sachin's entry into the semis confirm that India will have at least seven medals from the Glasgow Games. Arundhati defeated New Zealand's Morgan Henderson in the 70kg quarterfinals with a hard-fought 3-1 win, while Youth World Champion Sachin got the better of Botswana's Treasure Moremi 5-0 in a lop-sided contest in the men's 60kg quarterfinals. Henderson continuously kept Arundhati on her toes. The Indian boxer won the first round 3-2 before bagging the second one 4-1, but then managed to hold the New Zealand opponent to 3-2 in the third round to secure a win. Meanwhile, there was no stopping for Sachin, the gold medallist from the 2016 Saint Petersburg Games. He won the first two rounds unanimously 5-0 before bagging the third one 4-1 to win the bout unanimously 5-0 in the end. Meanwhile, India were assured of their eighth boxing medal at the Glasgow Games after Ankush moved into the semifinals in the Men's 80kg quarterfinal. Earlier in the day, Choudhary also moved into the semifinals, confirming at least a bronze medal at the Glasgow Games.

RCB creates history, becomes first IPL franchise to cross USD 300 million brand value

The Royal Challengers Bengaluru (RCB) have achieved more glory as they have become the first-ever Indian Premier League franchise to touch the USD 300m brand value. Two-time winners RCB's brand value reached a value of US$312 million, which is approximately Rs 2,989 crore in INR. Meanwhile, the IPL's value has grown to US$20.6 billion, which is approx. 1,97,025 crore in INR. A report from US-based global investment bank Houlihan Lokey, Inc. stated that the RCB, who were sold to a consortium comprising Aditya Birla Group and Times of India, have registered a growth of 16 per cent in the brand value from the last year, when it was worth US$269 million. It further estimated that the Indian cash-rich league in itself has risen from US$18.5 billion a year earlier to US$20.6 billion, an increase of 11.4 per cent. This was the league's second straight season of having recorded double-digit growth. Meanwhile, the director in Houlihan Lokey's Financial and Valuation Advisory business, Harsh Talikoti, spoke on the evolution of cricket globally and on the growth of the Indian cash-rich league. "Cricket's evolution into a globally owned, institutionally backed asset class has accelerated further in 2026, with the IPL continuing to redefine the global sports landscape," Talikoti said. Meanwhile, the report further revealed that five-time champions Mumbai Indians were second in the brand value list, standing at a value of US$264 million, which is approximately Rs 2,529 crore.

This was a rise of 9.1 per cent from US$242 million in 2025. Meanwhile, three-time champions Kolkata Knight Riders are ranked third with a worth of US$245 million, which is approx 2,347 crore in INR. This is a 7.9 per cent jump from US$227 million last year.

The other five-time champions Chennai Super Kings are reportedly valued at US$244 million, which is approx Rs 2,337 crore.

This is a 3.8 per cent hike for the Super Kings from last year. Meanwhile, Ness Wadia, the co-owner of the Punjab Kings, spoke on the popularity of the franchises among the fans, who view them as a long-term entertainment business. "The way people look at IPL franchises has changed completely. They're no longer seen as cricket teams that play for two months every year.

Sakshi Chaudhary confirms another medal for India in Commonwealth Games 2026

Indian boxer Sakshi Chaudhary secured at least a bronze medal at the 2026 Commonwealth Games after outclassing Northern Ireland's Caitlin Fryers by a unanimous 5-0 decision in the women's 51kg quarterfinals in Glasgow on Wednesday, July 29.

The victory sent the 26-year-old into the semifinals and added another medal to India's growing boxing tally at the Games. Sakshi became the fifth Indian boxer to be assured of a podium finish, joining Lovlina Borgohain (75kg), Preeti Pawar (54kg), Priya Ghanghas (60kg) and Jadumani Singh (men's 55kg). Notably, Sakshi controlled the contest from the opening bell, with all five judges favouring the Indian across the three-round bout.

The result underlined India's strong campaign in the boxing competition, where reaching the semifinals guarantees a medal under the tournament format.

The latest success also marked another significant milestone in Sakshi's career.

The boxer arrived in Glasgow after overcoming years of injury setbacks that had denied her opportunities to compete at previous Commonwealth Games.

Australia opener's brother to play for European team, following Italy's footsteps leading to T20 World Cup

Greece has named Billy Konstas, the elder brother of Australia batter Sam Konstas, in their 14-member squad for next month's European qualifying tournament in Finland. With the goal of progressing to the 2028 T20 World Cup, they have added Billy. Notably, the 24-year-old Sydney grade cricketer has earned selection as the Hellenic Cricket Federation looks to strengthen their national side by recruiting Australian players with Greek heritage.

They have been an ICC member since 1995, but are yet to come even close to qualifying for a marquee tournament.

Now that Italy progressed to the T20 World Cup in 2026, Greece are dreaming as well. Now, Billy combines his cricket career with roles as a cricket coach and physiotherapist in Sydney.

Vaibhav Sooryavanshi named vice-captain as East Zone announce Duleep Trophy squad

East Zone have named a 15-member squad for the upcoming Duleep Trophy, starting August 23. Ishan Kishan has been announced as the new captain, while Vaibhav Sooryavanshi will serve as his deputy. Meanwhile, Riyan Parag, who served as captain in the 2025 edition, has been ruled out owing to a hamstring injury. The Assam-born suffered a hamstring injury during the IPL 2026 and has undergone surgery in the month of June. He remains to be out of action as there's no concrete plan for his possible return. After gaining fitness, he is expected to report to BCCI's CoE. Sooryavanshi, on the other hand, has been given the leadership role as BCCI aims to prepare him accordingly. The 15-year-old has led the team in the youth series against South Africa and was also named as the vice-captain during the U19 ODI World Cup earlier in the year. Mohammed Shami has been knocking on the door for over a year now. He has proved his mettle in domestic cricket, but the BCCI selectors haven't looked back on the veteran. Especially in red-ball cricket. Chief selector Ajit Agarkar has pointed to his fitness as a sign of concern, but Shami looked in fine form in the Ranji Trophy last season. Now that the Indian team is struggling in red-ball cricket, having lost multiple home series in the last couple of years, Shami could be one of the options they consider again if the two-match series against Sri Lanka don't go as per the plan. On the other hand, Mukesh Kumar also has the perfect opportunity to prove himself, as the Bengal pacer has been out of the scheme of things since the series against England. Meanwhile, another notable absentee is Akash Deep. He suffered a back injury during the IPL and has been out of action since.

Suresh Raina compares India's old fielding culture with current struggles after 32 dropped catches

India's fielding efforts have worsened since the T20 World Cup 2026.

Around 32 catches have been dropped by the Men in Blue across 19 T20Is, which is extremely worrying. These include slips from full-time players, with Tilak Verma and Abhishek Sharma being some of the biggest culprits, having dropped more regularly than others. In the T20 World Cup, India turned out to be the worst catching side, dropping 14 chances, followed by Sri Lanka (11) and Ireland (10). In their T20I series against Ireland, India dropped six catches in total, making it three missed chances per day, before missing five more in England. The situation further deteriorated in Zimbabwe, where seven catches were dropped, of which five were in the final T20 alone.

Following the poor performance in Ireland and England, fielding coach T Dilip is parting ways with the national team. His contract came to an end after the white-ball tournament in England. As per reports, Subhadeep Ghosh will be taking up the post and filling in the duties as the fielding coach. At the same time, Ryan ten Doeschate, India's men's assistant coach, has also stepped down from his position. He talked about discipline, work ethic, and the lessons that defined his playing years.

5 shuttlers to watch out for in BWF World Championship 2026

The BWF World Championships are coming to New Delhi as the action runs from August 17-23, 2026. This is India's second time hosting the event since 2009 in Hyderabad. Over 200 players across the globe will be participating in the tournament set to be held at the Indira Gandhi Stadium in the capital city. The event marks one of the biggest dates on the badminton calendar, drawing fans and media attention from across the globe. Here is all you need to know about the five women competitors to watch out for. An Se Young arrives in New Delhi as the outright favourite. The former world No. 1 and Paris 2024 Olympic champion completed a career Grand Slam this April, beating Wang Zhiyi in the Asian Championships final. Wang's two Asian Championships titles date back to 2022 and 2024.

मधुमेह, कब्ज और तनाव में लाभकारी 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन', जाने इसके लाभ

शरीर, मन और आत्मा के संतुलित विकास के लिए योग संस्कृति में अनेकों आसनों का वर्णन मिलता है। 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' उन्हीं प्रमुख आसनों में से एक है। यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन तंत्र को सुदृढ़ करने तथा शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में सहायक माना जाता है। यह आसन हठ योग की प्राचीन परंपरा का अंग है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे लेकर सटीक जानकारी दी है, जिसके अनुसार 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' का नियमित अभ्यास करने से एड्रिनल ग्रंथि की स्थिति में सुधार होता है। साथ ही, यह कब्ज, दमा और पाचन संबंधी समस्याओं से निजात भी दिलाता है। मधुमेह रोगियों के लिए भी यह एक अच्छा विकल्प है। साथ ही यह आसन पेनक्रियाज को एक्टिव करता है। यह मांसपेशियों को लचीला बनाता है और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट बिछा लें। इसके बाद दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं और रीढ़ को सीधा रखते हुए अपने दाएं पैर के घुटने को मोड़ते हुए बाहर की ओर निकालें। इसके बाद बाएं पैर का तल जमीन पर पूरी तरह टिका होना चाहिए। सिर को दाईं ओर घुमाएं और कंधे की दिशा में देखें। इस दौरान सामान्य गहरी सांस लेनी चाहिए।

इसको लगभग 30 सेकंड तक करने के बाद सामान्य स्थिति में ले आएं, लेकिन इस बात का ध्यान रहे कि इसे करने के दौरान ध्यान रीढ़ की हड्डी और सांस पर केंद्रित करना चाहिए। शुरुआती अभ्यास में बहुत अधिक जोर न लगाएं और अभ्यास की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाएं। यह आसन करने से पहले योग विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि सही तरीके से आसन करने की सलाह मिल सके।

योग का अहम सूत्र है कि इसे दोपहर में न करें। आसन सूर्योदय या सूर्यास्त के समय करें।

गर्मी जब सिर पर हो यानी चरम हो तो दोपहर के सत्र से बचें और एक अहम बात, कुशल योग प्रशिक्षक से सलाह जरूर लें। योगाभ्यास शुरू करने से पहले किसी अनुभवी और प्रमाणित योग प्रशिक्षक से परामर्श करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आपकी आयु, शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार सही आसन, सही तकनीक और उचित अवधि तय की जा सके। जल्दबाजी में या किसी की नकल करके योग करने से बचना चाहिए।

50 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों में नींद की समस्या आम, काम का तनाव बना बड़ी वजह

50 साल से अधिक उम्र के कर्मचारियों में नींद से जुड़ी परेशानियां उम्मीद से कहीं ज्यादा आम हैं। एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि काम से जुड़ा तनाव, असंतुलित जीवनशैली और नौकरी से जुड़ी परेशानियां न सिर्फ नींद को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि लोगों की मानसिक और शारीरिक सेहत पर भी असर डाल रही हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि करीब 70 प्रतिशत प्रतिभागियों को लगातार ऐसी नींद की समस्या थी, जो चिकित्सकीय रूप से गंभीर मानी जा सकती है। खास बात यह है कि इनमें से किसी भी व्यक्ति का पहले से कोई ज्ञात स्लीप डिसऑर्डर का इतिहास नहीं था।

वहीं, करीब 92 प्रतिशत लोगों में अध्ययन के दौरान कम से कम एक बार नींद संबंधी समस्या के मानक पूरे पाए गए। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन समस्याओं का संबंध केवल उम्र बढ़ने से नहीं है, बल्कि काम के दबाव और तनाव का भी इसमें बड़ा योगदान है।

जिन लोगों ने बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस और नौकरी से संतुष्टि की बात कही, उनमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर पाया गया। वहीं, जो लोग काम के दौरान तनाव, चिड़चिड़ापन या उदासी महसूस करते थे, उनमें स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां ज्यादा देखने को मिलीं। इस अध्ययन में 50 से 66 वर्ष की उम्र के 45 कर्मचारियों को शामिल किया गया। ये लोग अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे थे। शोधकर्ताओं ने करीब एक साल तक इन लोगों की निगरानी की। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों से स्वास्थ्य, काम और जीवनशैली से जुड़े सवाल पूछे। इसके अलावा स्मार्टवॉच और अन्य पहनने वाले सेंसर के जरिए उनकी नींद का भी रिकॉर्ड तैयार किया गया। इसकी वजह कम सोना नहीं, बल्कि रात में बार-बार नींद टूटना और नींद की गुणवत्ता खराब होना थी।

रात में सोने से पहले दो कीवी खाने से क्या होता है?

क्या आप भी रात में अच्छी नींद न आने या सुबह उठने पर थकान की समस्या से परेशान हैं? अगर हां, तो अपनी नाइट रूटीन में एक छोटा सा बदलाव कर के अपनी सेहत और स्लीप दोनों को बेहतर कर सकते हैं। विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर कीवी एक सुपरफूड माना जाता है।

यह ने केवल आपकी नींद को बेहतर करता है बल्कि पाचन क्षमता हो भी बेहतर करता है। डबल बोर्ड-सर्टिफाइड फिजिशियन और इंटरनल मेडिसिन और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. जोसेफ सलहब ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर यह बताया है कि अगर आप रात को सोने से पहले दो कीवी खाते हैं तो आपकी गट हेल्थ बेहतर होती है।

साथ ही और भी कई फायदे मिलते हैं। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. जोसेफ सलहब के मुताबिक, यह छोटा-सा फल नींद की गुणवत्ता सुधारने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। रिसर्च से पता चला है कि सोने से लगभग एक घंटे पहले 2 हरे कीवी खाने से नींद की क्वालिटी बेहतर हो सकती है, जल्दी नींद आ सकती है और कुल नींद का समय बढ़ सकता है। कीवी सेरोटोनिन का नैचुरल सोर्स है और इसमें मेलाटोनिन भी होता है; ये दोनों ही नींद और जागने के चक्र (स्लीप-वेक साइकिल) को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

कीवी रात के खाने के बाद होने वाली पेट फूलने की परेशानी को कम करने में भी मदद कर सकता है। और अगर अगली सुबह पेट साफ होने में मदद मिले, तो हैरान न हों। कब्ज, पेट साफ रहने, पाचन और गट हेल्थ (आंतों की सेहत) के लिए कीवी सबसे अच्छे फलों में से एक है। हेल्दी डाइट में कीवी जैसे फलों को शामिल करने से कोलन कैंसर का खतरा कम हो सकता है।

डाइट में दलिया शामिल करने से मिलेंगे गजब के फायदे, मोटापे से लेकर कब्ज में मिलेगी राहत

जब बात वजन घटाने की आती है, तो उसमें डाइट सबसे अहम भूमिका निभाता है। बिना अच्छी डाइट के आप वजन कम नहीं कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी मोटापे को हराकर हेल्दी शरीर चाहते हैं तो अपनी डाइट में दलिया को शमिल करें। दलिया ज़रूरी पोषक तत्वों और फाइबर से भरपूर है जो वजन कम करता है। फाइबर के गुण से भरपूर इस अनाज में कैलोरी बेहद कम होती है। दलिया का सेवन करने से सिर्फ वजन ही कम नहीं होता है बल्कि शरीर को अन्य फायदे भी मिलते हैं- जैसे यह पाचन के लिए अच्छा है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है। चलिए, जानते हैं एक दिन में कितना दलिया खाना चाहिए और इससे आपको क्या फायदे होंगे?

वजन होता है कमः दलिया फाइबर के गुणों से से भरपूर दलिया एक एक लो कैलोरी खाद्य पदार्थ है। इसका सेवन करने से आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती है और आप एक्स्ट्रा खाना खाने से बचते हैं। इस वजह से आपके लिए अपना वेट कम करना आसान हो जाता है। तो अगर आप भी मोटापे के षिक हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल करें।

कब्ज में मिलता है आरामः दलिया में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज से बचाता है। इसका सेवन करने से मल त्यागने में कठिनाई नहीं होती है, जिससे कब्ज से राहत मिलती है।

कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोलः फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करते हैं। ऐसे में दलिया घुलनशील फाइबर से भरपूर है। इसका सेवन करने से आपका बैड कोलेस्ट्रॉल कम होगा और आपके दिल की सेहत बेहतर होगी। साथ ही कोलस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए नियमित रूप से लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराएं।

ब्लड शुगर करे कंट्रोलः दलिया में मौजूद घुलनशील फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करता है। फाइबर की वजह से पाचन आराम से होता है, जिससे खून में ग्लूकोज का अब्जॉर्प्शन धीमा होता है।

अगर आप एक बीमारियों से दूर रहना चाहते हैं तो दलिया को अपने नाश्ते में शामिल करें। सुबह के समय दलिया का सेवन करने से पाचन बेहतर होता है। साथ ही अगर आप वेट लॉस प्रोसेस में हैं तो आप डिनर में दलिया का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको जल्दी फायदा होगा।

ब्लड रिपोर्ट में आया है 'लो हीमोग्लोबिन' तो डाइट में शामिल करें ये चीजें, बढ़ सकता है आयरन

हीमोग्लोबिन ब्लड के अंदरऑक्सिजन कैरी करने वाला प्रोटीन है। फेफड़े सांस के ज़रिए बाहर से ऑक्सिजन लेते हैं। लेकिन उसको ऑर्गन तक पहुंचाने का काम हीमोग्लोबिन करता है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि जब हीमोग्लोबिन लो होता है तब इसकी वजह से थकान, कमजोरी, सांस फूलना, चक्कर आना, त्वचा का पीला पड़ना और एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में उन्होंने हीमोग्लोबिन को बढ़ाने के लिए कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह दी है।

दाल और राजमाः अगर आप शाकाहारी हैं तो अपनी डाइट में दाल चना, राजमा, लोबिया और बीन्स को शामिल करें। ये चीजें वेजिटेरियन डाइट्स के ब्लड बिल्डिंग फूड्स है। ये आयरन के साथ प्रोटीन,मिनिरल्स, फाइबर और फोलेट भी प्रदान करते हैं। लेकिन दाल में फाइटेट्स भी होते हैं जो आयरन के अवशोषण को कम कर सकते हैं इसलिए इनका सेवन हमेशा भिगोकर करना चाहिए।

बीटरूटः बीटरूट एक ऐसा फूड है जो लो हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मददगार है। इसमें मौजूद फोलेट रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाता है। वहीं, इसमें मौजूद नाइट्रेट्स नाइट्रिक ऑक्साइड को बढ़ाने में मदद करते हैं। आप इसे अपनी सलाद और सब्जी में खूब इस्तेमाल करें।

विटामिन सी फूड्सः अब आप सोच रहे होंगे कि हीमोग्लोबिन कम है तो विटामिन सी फूड्स क्यों तो बता दें, आयरन रिच फूड तभी असरदार होते हैं जब बॉडी उन्हें एब्सॉर्ब कर पाती है।

1 चम्मच मेथी दाने में छिपा है सेहत का खजाना, मिलेंगे ये अन्य फायदे भी

हमारे किचन में ऐसे कई मसाले पाए जाते हैं जो सेहत को चुस्त-दुरुस्त कर सकते हैं। इन्हीं मसालों में से एक है मेथी का बीज, इसका इस्तेमाल ज्यादातर कढ़ी को स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है।

बिना इसके आप अचार भी नहीं बना पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं अदना सा दिखने वाला यह मसाला आपकी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है। नहीं? तो चलिए हम आपको बताते हैं।

मेथी डायबिटीज के रोगियों के लिए अमृत समान है। इसममें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जिस वजह से इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों को अपनी डाइट में मेथी जरूर शामिल करना चाहिए। रात को 1 चम्मच मेथी का बजे पानी में भिगोकर रख दें। सुबह के समय बीज को पानी में से निकाल दें। अब खाली पेट इस बीज को अच्छी तरह चबाकर खाएं। इसे खाने के आधे घंटे बाद कोई भी नाश्ता करें।

पेट की परेशानियों में कारगरः मेथी दाना पेट की परेशानियों में कारगर है। इसके सेवन से पाचन ठीक होता है, भूख बढ़ती है और यह पेट की गैस को भी दूर करता है और कब्ज को भी मिटाता है।

सावन में करें आयुर्वेदिक व्रत, खोई हुई ऊर्जा वापस लौट आएगी, इन चीजों का करें सेवन

आयुर्वेदिक व्रत ऐसा है जिसमें आप आयुर्वेद में बताए जाने वाले उपचार अपनाते हैं। इससे शरीर से सारे टॉक्सिन्स निकल जाते है और शरीर फिर से ऊर्जावान हो जाता है। आयुर्वेद सिर्फ आपके रोग को ठीक नहीं करता बल्कि रोग होने वाला कारणों को भी सुधरता है। आप भी अपने सामान्य उपवास को आयुर्वेदिक व्रत बना सकते है, अगर आयुर्वेद के अनुसार चलें तो। आयुर्वेद व्रत को व्यक्ति की प्रकृति यानि शरीर में पाए जाने वाले तीन दोष पित्त, वायु और कफ, इसके साथ ही आयु और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अनुकूलित करने पर जोर देता है, न कि घंटों किए जाने वाले धार्मिक अनुष्ठान के रूप में। आइये आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉक्टर चंचल शर्मा से जानते हैं आयुर्वेदिक व्रत क्या है और इस दौरान क्या क्या खा सकते हैं। आयुर्वेद में एक कहावत है कि आप वह नहीं जो आप खाते हैं, बल्कि वह होते हैं जो आप पचाते हैं। खाने का मुख्य मकसद शरीर द्वारा भोजन को या तो पोषक तत्वों के रूप में सोखना है या फिर उसे मल, मूत्र, पसीने के रूप में बाहर निकालना है। इसलिए पाचन तंत्र को नियमित रूप से साफ करने और शरीर में टॉक्सिन्स के बनने को कम करने के लिए कभी-कभी उपवास करने की सलाह दी जाती है। गीता में कृष्ण और अर्जुन से जुड़ा एक श्लोक है-

'युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःख'।।

इसमें से 'युक्ताहारविहारस्य' पद्धति को आयुर्वेद में अपनाया गया है। यानी संतुलित आहार और व्यायाम से शरीर के सभी प्रकार के रोग दूर हो सकते हैं फिर चाहे वे मानसिक हों या शारीरिक बीमारियां ही क्यों न हों।

खाना खाने के बाद पान खाने से क्या होता है, फायदे जान रह जाएंगे हैरान

भारत में भोजन के बाद पान खाने की परंपरा सदियों पुरानी है। अक्सर लोग इसे केवल स्वाद बदलने या माउथ फ्रेशनर के रूप में देखते हैं, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक सही तरीके से खाया गया पान सेहत के लिए किसी औषधि से कम नहीं है। यदि आप बिना तंबाकू वाला सादा या मीठा पान खाते हैं, तो यह आपके शरीर को कई चमत्कारी फायदे पहुंचाता है।

ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि भोजन के बाद पान खाने से क्या क्या फायदे होते हैं। चलिए जानते हैं। खाना खाने के बाद जब आप पान चबाते हैं, तो यह मुंह में लार के निर्माण को तुरंत बढ़ा देता है। इस लार में खास पाचक एंजाइम होते हैं, जो भोजन को जल्दी और आसानी से पचाने में मदद करते हैं।

भारी भोजन के बाद पान खाने से पेट में भारीपन की शिकायत नहीं होती। मसालेदार या भारी खाना खाने के बाद अक्सर सीने में जलन, खट्टी डकारें और पेट फूलने की समस्या हो जाती है। पान के पत्तों में अलकलाइन गुण होते हैं, जो पेट के एसिड को बेअसर करते हैं।

इससे एसिडिटी और गैस की समस्या से तुरंत राहत मिलती है। यह मसूड़ों को मजबूत बनाने और मुंह को घंटों तक तरोताजा रखने का नेचुरल तरीका है।

गिलोय कर सकता है PCOS का खात्मा, महिलाओं को जरूर करना चाहिए सेवन

आजकल महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (PCOD or PCOS) सबसे ज्यादा होने वाली समस्या बन गई है। अनहेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल की वजह से पीसीओडी और पीसीओएस की समस्या ज्यादा होने लगी है। इसके अलावा महिलाओं में कई तरह के हार्मोनल बदलाव भी इसका कारण बनते हैं। पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (PCOS) की समस्या महिलाओं में प्रेगनेंसी के दौरान देखी जाती है। 16 से 35 साल की महिलाएं इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं। कई बार तो इस बीमारी के बारे में महिलाओं को पता भी नहीं चल पाता है। शरीर में हार्मोनल असंतुलन की वजह से ओवरी में गांठे बन जाती है, जिन्हें हम सिस्ट कहते हैं। इस स्थिति में प्रेगनेंसी पर सीधा असर पड़ता है। हालांकि लाइफस्टाइल में बदलाव करते और कुछ दवाओं से भी इसे कंट्रोल किया जा सकता है। पीसीओएस में गिलोय और कई आयुर्वेदिक चीजें भी फायेदमंद साबित होती हैं। आचार्य श्री बालकृष्ण (1mg) से जानिए महिलाओं को PCOS में कौन सी चीजें फायदा करती हैं?

गिलोय- इन दिनों गिलोय का पौधा खूब फल-फूलता है। गिलोय को आयुर्वेद में बहुत असरदार जड़ी-बूटी माना जाता है।

दालचीनी- कई रिसर्च में ये बात सामने आ चुकी है कि दालचीनी शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ने से रोकती है।

वर्कआउट के दौरान या तुरंत बाद सिरदर्द, हो सकती है गंभीर समस्य, जानिए क्या हैं कारण

फिट रहने के लिए रोज वर्कआउट करना जरूरी है। इंटेंस वर्कआउट के दौरान तेज पसीना बहता है, सांस फूलती है और गला सूखता है।

लेकिन अगर आपको वर्कआउट के दौरान या बाद में सिरदर्द होता है तो ये गंभीर समस्या हो सकती है। ऐसे कई लोग हैं जो अक्सर सिरदर्द से परेशान रहते हैं। अगर आपको हमेशा किसी फिजिकल एक्टिविटी जैसे वॉक, जॉगिंग या एक्सरसाइज के बाद तुरंत बाद सिर में दर्द होता है तो इसके पीछे के कई कारण हो सकते हैं। आइये जानते हैं ऐसा क्यों होता है?

ऑक्सीनज की कमी- वर्कआउट करते वक्त कई बार ऑक्सीजन शरीर को ठीक से नहीं मिल पाती है। ब्रेन में ऑक्सीजन की कमी के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। जब आप इंटेंस फिजिकल एक्सरसाइज करते हैं तो सांस रोक कर रखते हैं या हल्की सांस लेते हैं। इससे दिमाग को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है जो सिर दर्द का कारण बन सकता है। इसलिए वर्कआउट के दौरान अच्छी तरह सांस लें।

ब्लड प्रेशर बढ़ना- जब आप वर्कआउट करते हैं तो कई बार ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है जिसके कारण ब्लड फ्लो में तेजी आती है और अचानक से ब्लड फ्लो बढ़ने से भी सिरदर्द हो सकता है। खासतौर से हैवी एक्सरसाइज से रक्त वाहिकाओं का विस्तार होता है, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में सिर में दर्द की समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन- एक्सरसाइज के दौरान शरीर में पानी की कमी हो जाती है। जब बॉडी हाइड्रेट नहीं होती तो ऐसी कंडीशन में भी सिरदर्द की समस्या हो सकती है। इसलिए वर्कआउट में पसीना ज्यादा निकले तो कुछ न कुछ लिक्विड डाइट लेते रहें। शरीर को हाइड्रेट रखें और भरपूर पानी पीते रहें।

नींद पूरी नहीं होना- अगर आपकी नींद पूरी नहीं हुई है तो भी वर्कआउट के दौरान आपको सिर दर्रद की समस्या हो सकती है। इससे शरीर में काफी थकान महसूस होती है। कई बार ये सिर दर्द की वजह भी बन सकती है। अगर आप जिम में हैवी वर्कआउट करते हैं तो अपने स्लीप पैटर्न को भी सही रखें।

ब्लड शुगर कम होना- जब आप हैवी वर्कआउट करते हैं तो इससे ब्लड शुगर लेवल कम हो सकता है। वर्कआउट के दौरान ब्लड शुगर लेवल डाउन होने से हाइपोग्लाइसीमिया की स्थिति पैदा हो सकती है। जिससे सिर दर्द भी हो सकता है।

वर्कआउट के दौरान या उसके तुरंत बाद होने वाला सिरदर्द कई बार सामान्य थकान का संकेत हो सकता है, लेकिन यदि यह समस्या बार-बार होने लगे, दर्द बहुत तेज हो, या इसके साथ चक्कर आना, धुंधला दिखाई देना, उल्टी, बेहोशी या शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी जैसे लक्षण भी हों, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

'20 लाख का डिब्बा' लिखकर क्रेन से 'फांसी' पर लटकाई स्कॉर्पियो, एयरबैग नहीं खुलने से गई बिजनेसमैन की जान

सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद झुंझुनूं में बुधवार को ऐसा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मृतक के परिजनों और दोस्तों ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को क्रेन से करीब 20 फीट ऊंचाई पर शोरूम के बाहर लटकाकर सांकेतिक रूप से "फांसी" दे दी। गाड़ी पर लाल रंग से "मौत का सामान", "20 लाख का डिब्बा" और "खतरा" लिखकर महिंद्रा कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 20 जुलाई को हुए भीषण सड़क हादसे में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए, लेकिन एयरबैग नहीं खुले, जिसके कारण 21 वर्षीय तरुण नायक की जान चली गई। उनका कहना था कि उन्हें मुआवजा या नई गाड़ी नहीं चाहिए, बल्कि इस हादसे के लिए जवाब और न्याय चाहिए। मृतक के दोस्त धीरज जाट ने बताया कि तरुण नायक झुंझुनूं में रेंटल गाड़ियों का व्यवसाय करता था। 20 जुलाई को वह अपने चार साथियों के साथ सीकर से झुंझुनूं लौट रहा था। इसी दौरान डूंडलोद बाइपास पर उनकी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई और पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। तरुण को गंभीर हालत में नवलगढ़ जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लोकसभा में राहुल के 'इडियट' और 'अंधभक्त' वाले बयान पर मचा सियासी बवाल

संसद के मानसून सत्र में 'एंटी पेपर लीक बिल' पर चर्चा हो रही है। 29 जुलाई यानी आज इस बिल पर चर्चा के दौरान उस समय भारी हंगामा मच गया, जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने भाषण में 'इडियट' (Idiot) और 'अंधभक्त' शब्दों का यूज किया। राहुल ने एक स्टूडेंट से हुई बातचीत का हवाला देते हुए छात्र, इडियट और अंधभक्त के बारे में समझाया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। राहुल ने अपने संबोधन में 'अंधभक्त' और 'इडियट' जैसे शब्दों का जिक्र करते हुए कहा, 'अंधभक्त मूर्ख को भगवान मानते हैं।

अंधभक्तों को किस श्रेणी में रखा जाए?' इसके बाद संसद में हंगामा मच गया।

राहुल गांधी ने जैसे ही 'इडियट' शब्द का यूज किया, तो संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और सत्ता पक्ष के अन्य सांसद तुरंत खड़े होकर कड़ा विरोध करने लगे। किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को संसद की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए और इस तरह के असंसदीय या अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अंधभक्त और इडियट शब्द पर हुए हंगामे से पहले राहुल गांधी ने देश के अलग-अलग हिस्सों और दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों की सराहना की।

PM Modi के अकाउंट्स से पोस्ट किए गए कंटेंट की करेंगे अतिरिक्त निगरानी-IT मंत्रालय को Meta का जवाब

PTI की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि मेटा ने बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की अन्य प्रमुख हस्तियों की पोस्ट की अतिरिक्त निगरानी की जाएगी और वरिष्ठ स्तर पर उनकी समीक्षा की जाएगी। यह भरोसा सरकार द्वारा मेटा अधिकारियों को बुलाए जाने के एक दिन बाद दिया गया। अधिकारियों को प्रधानमंत्री मोदी का पहला सेल्फी वीडियो फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले में बुलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, मेटा ने IT मंत्रालय को बताया है कि प्रधानमंत्री और प्रमुख अकाउंट्स से पोस्ट किए गए कंटेंट की अतिरिक्त निगरानी की जाएगी और सीनियर लेवल पर उनकी समीक्षा होगी। सूत्रों ने PTI को बताया कि प्रधानमंत्री की Facebook पोस्ट के मामले पर मेटा की टीम इस हफ़्ते के आखिर में या अगले हफ़्ते की शुरुआत में सरकारी अधिकारियों से मिल सकती है। बता दें कि NEET परीक्षा के पेपर लीक के मुद्दे पर Gen Z को संबोधित करते हुए। मेटा ने स्वीकार किया कि "त्रुटि" के कारण वीडियो को कुछ समय के लिए हटा दिया गया था। वीडियो में, पीएम मोदी ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि सरकार पेपर लीक को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि संसद में कानून पेश करने से पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल प्रस्तावित उपायों पर चर्चा करेगा।यह वीडियो NEET-UG परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच जारी किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा था, "मैं जानता हूं कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है। यह लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए बहुत पीड़ादायक है।" प्रस्तावित कानून का ज़िक्र करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहाः "19 जुलाई को नतीजे घोषित किए गए थे। मैंने आज विभागों को फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया। विभागों ने देर रात मुझे प्रस्ताव सौंपा। इस प्रस्ताव पर, जिसमें फास्ट-ट्रैक कोर्ट और कड़ी सज़ा का प्रावधान है, कल मंत्रिमंडल में चर्चा होगी। मंत्रिमंडल के सहयोगियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा, और चूंकि सोमवार से संसद का दूसरा हफ़्ता शुरू हो रहा है, इसलिए उस बिल को जल्द से जल्द सदन में पारित कराने की कोशिश की जाएगी।"

मेटा की ओर से केंद्र सरकार को दिए गए इस आश्वासन को सोशल मीडिया मंचों पर सार्वजनिक हस्तियों के आधिकारिक खातों की सुरक्षा और सामग्री प्रबंधन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, भविष्य में प्रधानमंत्री और अन्य प्रमुख सार्वजनिक व्यक्तियों के खातों से साझा की जाने वाली सामग्री की अतिरिक्त स्तर पर समीक्षा की जाएगी, ताकि तकनीकी त्रुटियों या अनजाने में होने वाली कार्रवाई से बचा जा सके। इससे महत्वपूर्ण सरकारी संदेशों के निर्बाध प्रसार को सुनिश्चित करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया मंचों पर स्वचालित प्रणालियों के साथ-साथ मानवीय समीक्षा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कई बार तकनीकी कारणों, एल्गोरिदम की त्रुटियों या स्वचालित मॉडरेशन के चलते वैध सामग्री भी अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है।

पेपर लीक रोकने का सख्त कानून लोकसभा में पास

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार 30 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के दोनों सदनों में पारित इन महत्वपूर्ण विधेयकों को सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को कानूनी रूप से और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

पैलेट गन की फायरिंग का आदेश गृह मंत्रालय ने दिया - राहुल गांधी

संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में 'एंटी पेपर लीक बिल' पर चर्चा के दौरान जोरदार हंगामा और तीखी बहस देखने को मिली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में लगातार हो रहे पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) की गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में सड़कों पर उतरे छात्रों का समर्थन करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के इस प्रदर्शन से देश का भविष्य सुरक्षित दिखता है और सभी राजनीतिक दलों को उनके असंतोष का सम्मान करना चाहिए। राहुल गांधी ने अपनी स्पीच में एक छात्रा से बातचीत का जिक्र करते हुए तीन कैटेगरी बताईं- स्टूडेंट, ईडियट और अंधभक्त। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गृह मंत्रालय की तरफ से सुरक्षा बलों को छात्रों पर पैलेट गन चलाने के निर्देश दिए गए थे। उनके इस बयान पर सत्ता पक्ष के मंत्रियों ने कड़ा विरोध जताया, जिससे लोकसभा में तीखी बहस छिड़ गई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए राहुल गांधी से उस सरकारी आदेश की कॉपी दिखाने और देश से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा, 'आप बिना सोचे-समझे बोल रहे हैं। ऐसा मत बोलिए। आपको गंभीरता से बोलना चाहिए। ये ठीक नहीं है। ये किस आधार पर आपने बयान दिया? आपको किसने बताया? आप माफी मांगिए। गोली चली, ये छोटी बात नहीं है। ऐसा कैसे कह सकते हैं कि किसी ने गोली चलाई। ये गंभीर आरोप है।' विपक्षी सांसदों की नारेबाजी हुई, 'राहुल गांधी को बोलने दो, राहुल गांधी को बोलने दो।' हंगामे को बढ़ता देख लोकसभा अध्यक्ष ने भी राहुल गांधी को निर्देश दिया कि बिना किसी ठोस सबूत के सदन में ऐसे गंभीर आरोप नहीं लगाए जा सकते। राहुल गांधी के बयान और पैलेट गन के आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच खूब हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

रीवा में भुट्टे के ठेले पर बहस बनी जानलेवा, बाइक सवार बदमाशों ने की कांग्रेस नेता अमित वर्मा की चाकू गोदकर हत्या

मध्य प्रदेश के रीवा में मामूली विवाद के बाद कांग्रेस के पूर्व पार्षद प्रत्याशी अमित वर्मा की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई।

मध्य प्रदेश के रीवा शहर में मंगलवार शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित शांति बिहार कॉलोनी के समीप बाइक सवार बदमाशों ने मामूली कहासुनी के बाद कांग्रेस के पूर्व पार्षद प्रत्याशी और आदिवासी समाज के नेता अमित वर्मा (कोल) की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही शहर में हड़कंप मच गया और पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शांति बिहार कॉलोनी निवासी अमित वर्मा मंगलवार शाम किसी काम से रीवा-सतना हाईवे के किनारे स्थित सांची पार्लर गए थे। इसके बाद वह अपने दोस्तों के साथ पास में ही एक ठेले पर भुट्टा खाने लगे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अमित और ठेला संचालक के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि ठेला संचालक ने तुरंत अपने भाइयों को मौके पर बुला लिया। सूचना मिलते ही एक बाइक पर सवार होकर तीन नकाबपोश/अज्ञात बदमाश मौके पर पहुंचे।

उन्होंने आते ही चाकू से अमित वर्मा पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके सीने और पेट पर कई वार किए, जिससे वह खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोग और परिजन उन्हें तत्काल संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना मिलते ही रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह/गुरकरन सिंह पुलिस बल के साथ देर रात मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीक निरीक्षण किया और वहां से दो संदिग्ध मोटरसाइकिलें जब्त कीं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। मृतक अमित वर्मा राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में काफी सक्रिय थे। वह अनुसूचित जनजाति समाज के जिलाध्यक्ष होने के साथ-साथ एनएसयूआई में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। इसके अलावा उन्होंने वार्ड क्रमांक 4 (पड़रा) से कांग्रेस के टिकट पर पार्षद का चुनाव भी लड़ा था। जब वह पहुंचे तो अमित खून से लथपथ पड़े थे।

बांकीपुर उपचुनाव में वोटिंग से पहले जन सुराज को झटका! 20 नेता गिरफ्तार

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार को वोटिंग होनी है लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की ओर से दावा किया गया है कि उसके 20 नेताओं को पटना में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जनसुराज की ओर से इस संबंध में चुनाव पर्यवेक्षक को एक चिट्ठी भी लिखी गई है। पीके की पार्टी की ओर से पुलिस पर्यवेक्षक को भेजी गई चिट्ठी में कहा गया है कि जुनसुराज के कार्यकर्ताओं को जो पटना में अपने परिजनों से मिलने या अन्य किसी कार्य से आए हैं उन्हें एकतरफा कार्रवाई करते हुए लगातार गिरफ्तार किया जा रहा है। प्रत्युष पूर्व को जक्कनपुर थाना, वरुण कुमार खगड़िया को पीरबहोर थाना, मोतिहारी के रहने वाले अभय शर्मा को जक्कनपुर थाना, विकास सिंह, अमीर इम्तियाज, मनीष झा और सुदर्शन मिश्रा जी को नाटकीय ढंग से एसटीएफ ने उठाया। इस मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया जाए। बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया हालांकि प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रमुख दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और हालिया छात्र आंदोलन को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाते हुए मतदाताओं को साधने का प्रयास किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई यह सीट पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का विषय बनी हुई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष संजय सरावगी और एनडीए के अन्य नेताओं ने सोमवार को संयुक्त रोड शो किया था। वहीं, मंगलवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी रोड शो कर बीजेपी उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार किया। हालांकि बांकीपुर में मुख्य मुकाबला भाजपा और प्रशांत किशोर के बीच माना जा रहा है, लेकिन चुनाव मैदान में कुल 25 उम्मीदवार हैं। इनमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की रेखा गुप्ता भी प्रमुख प्रत्याशी हैं। रेखा गुप्ता नवंबर 2025 के विधानसभा चुनाव में उपविजेता रही थीं, जिसमें भाजपा के नितिन नवीन ने 50 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

असम में बाढ़ का कहर! 7 जिलों में डूबे घर-मकान, 24 घंटे में 7 और मौतों से बढ़कर 75 हुआ मृतकों का आंकड़ा

असम में पिछले 24 घंटे में बाढ़ की घटनाओं की चपेट में आने से 7 और लोगों की मौत हो गई है। असम में अब भी 3.32 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारियों ने बताया कि असम में मानसून के दौरान बाढ़ की घटनाओं में अबतक 75 लोगों की जान जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि असम सरकार ने मृतकों के परिवार वालों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दिया है। साथ ही, मुआवजा पाने के नियमों में भी ढील दी है।

असम के अधिकारियों ने बताया कि शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, चराइदेव, नगांव, सोनितपुर और कामरूप मेट्रोपॉलिटन सहित 7 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 21 राजस्व परिक्षेत्र और 622 गांव प्रभावित हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या 3.32 लाख हो गई है। जान लें कि असम का चराइदेव जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 1.42 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। इसके बाद शिवसागर में 97 हजार 74 और जोरहाट में 57 हजार 371 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बीते मंगलवार को शिवसागर जिले के नाजिरा राजस्व परिक्षेत्र में 7 लोगों की जान चली गई थी।

इसके साथ ही इस साल असम में बाढ़ की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, असम के प्रभावित जिलों में 81 राहत कैंप चल रहे हैं, जहां 32 हजार 477 विस्थापित लोग पहुंचे हुए हैं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in